वर्ष : 27 | अंक : 184 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 25 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

यूपी के लाल शुभांशु शुक्ला ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बेटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला बुधवार यानी आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हो गये। वह आईएसएस का दौरा करने वाले पहले भारतीय बन गये है और विंग कमांडर राकेश शर्मा के 1984 के मिशन के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। भारत के शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर एक्सिओम-4 मिशन, कैनेडी स्पेस सेंटर के कॉम्प्लेक्स 39ए से भारतीय समय अनुसार 12.01 मिनट पर उडान भरी 28 घंटे की यात्रा के बाद, अंतरिक्ष यान गुरुवार को शाम करीब 04:30 बजे के इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से डॉक होने की उम्मीद है। अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस स्टेशन पर करीब 14 दिन गुजारने हैं। नए लॉन्च स्लॉट का ऐलान **(शेष पृष्ट-4 पर)**

हमारे लिए गर्व का क्षण : आशा शुक्ला

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि यह हमारे और सभी के लिए गर्व का क्षण है। जगह-जगह पोस्टर लगाए जा रहे हैं। सभी को खुशी है कि इस देश का, इस त्रिवेणी नगर का एक लड़का इतनी ऊंचाई पर पहुंचने जा रहा है। हम उसे अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेज रहे हैं। उसे हमारी बहू का पूरा समर्थन है। उसके बिना यह संभव नहीं हो सकता था। उसने यहां सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।

यूपी का नाम रोशन किया : शंभू दयाल

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हम उसके मिशन के लॉन्च को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। हम बहुत खुश हैं। हमारा आशीर्वाद उसके साथ है, और हम भगवान से भी प्रार्थना करते हैं कि उसका मिशन अच्छे से पूरा हो। वह पूरी तरह से तैयार है। उसके लिए लगाए गए सभी पोस्टर देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह लखनऊ, राज्य और हमारे देश का नाम रोशन कर रहा है। हमें उस पर गर्व है।

Axiom- 4 मिशन लांच के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष के लिए रवाना

पहला संदेश: मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है

एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होने के बाद शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष के रास्ते से पहला संदेश भेजा है। उन्होंने कहा, 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस वक्त हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है।

41 साल पहले राकेश शर्मा ने रचा था इतिहास

1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयूज़ टी-11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। उन्होंने भारत का तिरंगा अंतरिक्ष में लहराया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से बातचीत में कहा कि सारे जहां से अच्छा। यह भारत के लिए गर्व का पहला क्षण था। अब, 41 साल बाद शुभांशु शुक्ला इस विरासत को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। वह न केवल अंतरिक्ष में जाएंगे, बल्कि आईएसएस पर 14 दिन तक रहकर वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे।

आपातकाल में संसद की आवाज दबाई गई : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आपातकाल के दिनों को याद करते हुए कहा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। यह वो वक्त था जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।

पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी

भारतीय कभी नहीं भूल सकता कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया। संसद की आवाज दबाई गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनकी हरकतों का एक प्रमुख उदाहरण है। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया, जिसमें उनकी गरिमा का अपमान भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के **(शेष पृष्ट-4 पर)**

रोड क्रॉस कर ही महिला को कार ने कुचला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

मूल रूप से जनपद बुलंदशहर के रहने वाले अरुण कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में पटवारी गांव में रह रहे हैं। 20 जून को उनकी मां कांता देवी पटवारी से बुलंदशहर जा रही थी। हनुमान मंदिर गोल चक्कर पर रोड क्रॉस करते समय चार मूर्ति की तरफ से तेज गति में आ रही कार में उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। कार चालक राजू ने उनकी मां को न्यू मेट हॉस्पिटल में दाखिल कराया उनके गंभीर हालत को देखते हुए अस्पताल ने उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उपचार के दौरान 24 जून को उसकी मां का निधन हो गया। अरुण ने कार चालक राजू के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना फेस 3 क्षेत्र के सेक्टर 68 में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई मथुरा निवासी रंजीत कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 23 व 24 की मध्य रात्रि को उनका **(शेष पृष्ट-4 पर)**

स्कूल के स्विमिंग पूल के नाम पर फर्जीवाड़ा, एकेडमी बना कर ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्कूल में बने स्विमिंग पूल में तैराकी प्रशिक्षण के नाम पर लोगों से लाखों रुपए ठगने, स्कूल के पते पर फर्जी रसीद छाप कर धोखाधड़ी करने के आरोप में 6 जालसाजों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। स्कूल प्रबंधन का आरोप है कि आरोपी उनके स्कूल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का काम कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा स्थित कौशल्या वर्ल्ड स्कूल के अधिकृत प्रतिनिधि हृदय नारायण गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2020 में तरुण कुमार नामक व्यक्ति ने स्कूल प्रबंधन के सामने स्विमिंग पूल को बनाए रखने और प्रशिक्षण के लिए किराए पर देने का प्रस्ताव रखा। स्कूल द्वारा स्विमिंग पूल किराए पर देने की कोई योजना नहीं थी इसलिए इसका प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। वर्ष 2022 में तरुण कुमार ने स्कूल प्रबंधन के सामने परिसर में बने स्विमिंग पूल के रखरखाव करने तथा स्कूली बच्चों को प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव रखा। जिसे विद्यालय प्रशासन ने स्वीकार कर लिया।

तरुण कुमार ने बताया कि स्विमिंग पूल की हालत खराब है और उसकी मरम्मत होगी उसकी बातों पर विश्वास करके स्कूल प्रशासन ने 24 लाख रुपए में उसे मरम्मत का कार्य सौंप दिया। मरम्मत के कार्य में भी तरुण कुमार ने काफी विलंब किया। वर्ष 2023 में तरूण कुमार ने ग्रेटर नोएडा में बैनर होर्डिंग लगाकर लोगों को स्विमिंग पूल में प्रशिक्षण देने की बात कही। स्कूल प्रबंधन के नाराजगी व्यक्त करने पर उसने इस बात पर माफी मांगी। 2024 में तरुण कुमार ने स्कूली बच्चों को **(शेष पृष्ट-4 पर)**

देश में आज 'अघोषित आपातकाल' है : चौधरी

लखनऊ (एजेंसी)। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाते हुए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने कहा कि आज अघोषित आपातकाल है और देश में राजनीतिक स्वतंत्रता की कमी है। चौधरी ने एएनआई से कहा, मौजूदा स्थिति पिछली स्थिति से काफी मिलती-जुलती है। आज अघोषित आपातकाल है; अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निरपेक्ष नहीं है। सरकार के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाया जाता है, मनगढ़ंत मुकदमे चलाए जाते हैं और उसे गिरफ्तार किया जाता है।

उन्होंने कहा, अभी भी सच्ची राजनीतिक स्वतंत्रता का अभाव है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्थापित मूल्यों और भारत की स्वतंत्रता के उद्देश्य की अवहेलना की जाती है। आपातकाल को याद करते हुए उन्होंने इसे दूसरा स्वतंत्रता संग्राम बताया और कहा कि प्रेस पर पूरी तरह से सेंसरशिप लगा दी गई थी। सपा नेता श्री चौधरी ने कहा, जब आपातकाल लगाया गया और उसके बाद संघर्ष हुआ, तो यह दूसरा स्वतंत्रता संग्राम बन गया। मैं भी एक राजनीतिक कार्यकर्ता हूं और उस संघर्ष में सक्रिय था; मैंने इसे देखा। देश की स्थिति गंभीर थी; कोई भी बोल या लिख नहीं सकता था। प्रेस पर पूरी तरह से सेंसरशिप थी।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने मंगलवार को आपातकाल के दौरान उन्हें और अन्य सपा नेताओं को जेल में बंद किए जाने को याद करते हुए कहा कि संविधान और लोकतंत्र की हत्या की गई। केंद्र सरकार 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रही है, वहीं मेहरोत्रा ने कहा कि वे बुधवार को

आज अघोषित आपातकाल है; अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निरपेक्ष नहीं है। सरकार के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाया जाता है, मनगढ़ंत मुकदमे चलाए जाते हैं और उसे गिरफ्तार किया जाता है।

राजेन्द्र चौधरी,
पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश

संविधान रक्षा दिवस मनाएंगे। मेहरोत्रा ने एएनआई से कहा, कल 25 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो जाएंगे। पचास साल पहले देश में संविधान और लोकतंत्र की हत्या कर दी गई थी और सरकार तानाशाही के जरिए चलाई जा रही थी। आपातकाल के दौरान हमें जेल में डाला गया था। हमने कल 25 जून को संविधान रक्षा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। हम अपनी बांहों पर काली पट्टी बांधेंगे और संविधान की रक्षा करने का संकल्प लेंगे। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 25 जून, 1975 को आपातकाल लगाया था।

भैंस नहलाने को लेकर बवाल, तलवार से हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बादलपुर के राज एंक्लेव में घर के बाहर भैंस नहलाने को लेकर दो पक्षों के बीच वाद विवाद हो गया। वाद विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई और कई लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने थाना बादलपुर में एक दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। राज एंक्लेव में रहने वाले मनोज कुमार मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सुबह के समय उनकी पत्नी घर के गेट के बाहर झाड़ू लगाने के लिए गई थी। उनके गेट के सामने अवनीत यादव और कुछ अन्य लोग अपनी भैंस को नहला रहे थे। उसकी पत्नी ने जब घर के बाहर भैंस नहलाने से मना किया तो अवनीत यादव वह उसके साथियों ने उसकी पत्नी को भद्दी भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी। **(शेष पृष्ट-4 पर)**

दबंगों ने घर में घुसकर पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सबौता गांव में अपने घर में खाना खा रहे एक युवक के साथ पड़ोस में रहने वाले चार दबंगो ने घुसकर मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना जेवर में इस संबंध में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम सबौता निवासी प्रेमपाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि उनका बेटा मुकेश वीवो कंपनी में नौकरी करता है। 19 जून की रात्रि को मुकेश कंपनी से ड्यूटी खत्म कर घर आया था। घर बैठकर वह खाना खा रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले मनवीर विष्णु बोना सतपाल आदि जबरन उनके घर में घुस आए और मुकेश के साथ गाली गलौज करने लगे। मुकेश ने जब गाली गलौज **(शेष पृष्ट-4 पर)**

सीसीटीवी कैमरा तोड़ा रोकने पर भी धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। कार सवार युवकों ने गांव मोहियापुर में एक व्यक्ति के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरा क्षतिग्रस्त कर दिया। गृह स्वामी ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए गाली गलौज की। पीड़ित ने थाना सेक्टर 142 में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम मोहियापुर निवासी संदीप कुमार लोहिया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने अपने घर की सुरक्षा के लिए मुख्य द्वार के पास सीसीटीवी कैमरे लगवाए हुए हैं। 23 जून को उनके घर से कुछ दूरी पर एक स्विफ्ट कार आकर रुकी। स्विफ्ट कार में बैठे उनके ही गांव के अंकित तथा कृष्ण निवासी शहदरा ने उनके घर के बाहर लगे दो सीसीटीवी कैमरे को तोड़ दिया। **(शेष पृष्ट-4 पर)**

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजयराय का किया स्वागत

गाजियाबाद (चेतना मंच)। युवा कांग्रेस टीम ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश अवाना, पूर्व जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर कांग्रेस दिनेश शर्मा, कांग्रेस नेता जयचंद चौधरी, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष जावेद खान, सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष हेमचंद नागर, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजकुमार मोनू, कांग्रेस नेता राजकुमार भारती, पूर्व अध्यक्ष नोएडा कांग्रेस एवं उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव शहाबुद्दीन, कांग्रेस नेता सुमन राय, पीसीसी सदस्य मोहम्मद चांद, पीसीसी सदस्य जितेंद्र चौधरी, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर के जिला उपाध्यक्ष गौरव आधाना, हारुन, ऋषि, वसीम सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर आज शाम संगोष्ठी

बतौर मुख्य अतिथि रहेंगे पूर्व उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा : महेश चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज आपातकाल दिवस के रूप में गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में किया जाएगा। यह जानकारी भाजपा अध्यक्ष महेश चौहान ने दी।

उन्होंने कहा कि शाम 6 बजे के बाद आपातकाल पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वही सांसद डा. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह भी मौजूद रहे। भाजपा नोएडा महानगर के जिला अध्यक्ष महेश चौहान की अध्यक्षता में सेक्टर-116 स्थित भाजपा कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की

रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया और आयोजन की कार्ययोजना तय की गई।

बैठक में प्रदेश सह मीडिया प्रभारी (किसान मोर्चा) अमित त्यागी, भाजपा उपाध्यक्ष महेश अवाना, गिरीश कोटनाला, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, एसपी चमोली, राहुल शर्मा, चमन अवाना, अर्पित गोयल, ओमवीर अवाना, **(शेष पृष्ट-4 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

अमेरिका का झांसा

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान और पूरी दुनिया को झांसे में रखा और रविवार सुबह 4.30 बजे ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर 14 'बंकरफोड़ बम' गिरा कर साबित कर दिया कि वह इजरायल के पाले में हैं। उनकी जुबान पर भरोसा न किया जाए, क्योंकि उन्होंने दो सप्ताह के बाद निर्णय लेने का बयान दिया था। जब वह ऐसा बयान दे रहे थे, तब उनके बी-2 बॉम्बर विमान उड़ान भर चुके थे। ऑपरेशन में 125 विमान शामिल थे और 75 सटीक निशाना लगाने वाले हथियार भी थे। पनडुब्बी में करीब दो दर्जन टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भी थीं। यानी हमले की पूरी तैयारी थी और राष्ट्रपति ट्रंप शांति का राग अलाप रहे थे। अमरीका ने करीब 1.90 लाख किलो के बम गिराए। बमबारी के तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के बुनियादी परमाणु कार्यक्रमों का नामोनिशान मिटा दिया गया है। अब युद्ध खत्म कर देना चाहिए। अब ईरान के लिए शांति होगी अथवा त्रासदी। वह तबाही बहुत ज्यादा घातक होगी। ईरान के मित्र-देश रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव और ईरान के अधिकृत चेहरों का पलट दावा है कि परमाणु ठिकानों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है। जो बेहद संवेदनशील सामग्री, संवर्धित यूरेनियम और अन्य सिस्टम थे, उन्हें तीन दिन पहले ही सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया गया था। ईरान जल्द ही परमाणु हथियार बनाने लगेगा। रक्षा विशेषज्ञ ईरान के परमाणु ठिकानों के भीतर जबरदस्त नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उनके अनुसार, 'बंकरफोड़ बम' चट्टान को तोड़ कर अंदर घुसे। ये बम अंदर ही विस्फोट करते हैं। करीब 2 लाख किलो बारूद के विस्फोट और विध्वंस की कल्पना ही की जा सकती है। विशेषज्ञ परमाणु कार्यक्रम को शिफ्ट करने के दावों को असंभव, अव्यावहारिक और बेवकूफाना करार देते हैं। इस हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम 15-20 साल पीछे धकेल दिया गया है। विशेषज्ञों का एक अलग गुट मानता है कि यदि फोर्डो, नतांज, इस्फहान परमाणु ठिकानों में तबाही हुई है, तो निश्चित रूप से विकिरण होना चाहिए था। विकिरण कहां है? ईरान इतनी जल्दी घुटने टेकने वाला देश नहीं है। उसे लंबी लड़ाई लडने का अनुभव है, लिहाजा वह इस बार भी पलटवार जरूर करेगा। यह देखना होगा कि वह अमरीका पर किस तरह के प्रहार करता है? अभी तो उसने इजरायल के बड़े शहरों में इमारतों को खंडहर बनाया है, लेकिन वह मिसाइल हमले कब तक जारी रख सकता है? बहरहाल विरोधाभासों से यथार्थ तक पहुंचना असंभव है। रूस, चीन, ईरान आदि के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक दरमियानी रात 12.30 बजे के करीब हुई। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक 23 जून को तय थी। दोनों आपात बैठकों के निर्णयों और निष्कर्षों का विश्लेषण बाद में करेंगे। फिलहाल यह सवाल मौजू और गंभीर है कि अमरीका के घातक, विध्वंसक, कथित बर्बर हमले के बाद ईरान क्या करेगा? युद्ध में ईरान में 950 से अधिक मौतें हो चुकी हैं और 4000 से ज्यादा घायल हैं। यह डाटा बढ़ता जा रहा है। यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों, बेहद संवेदनशील प्रयोगों और सवंर्धित यूरेनियम का वाकई नामोनिशान मिटा दिया गया है, तो पश्चिम एशिया में इजरायल एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश रह जाएगा। मध्य-पूर्व में किसी भी देश के पास परमाणु शक्ति नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान को अब युद्ध समाप्त कर देना चाहिए और कूटनीति, संवाद की मेज पर आ जाना चाहिए। अमरीकी हमले के बाद ईरान अब परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर आने पर विचार कर रहा है। अनुच्छेद 10 के तहत यह उसका अधिकार है। ईरान के सामने सामरिक विकल्प बहुत सीमित हैं। उसके सामने 'आगे कुआं, पीछे खाई' वाली स्थिति है। हालांकि ईरान की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर यह भी चिंता है कि युद्ध को विस्तार न दिया जाए। उसने संसद में प्रस्ताव पारित कर 'होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग' को बंद करने का जो प्रस्ताव पारित किया है, वह आत्मघाती साबित हो सकता है। यह मार्ग बंद होने से दुनिया भर का 26 फीसदी तेल-व्यापार और अन्य समुद्री कारोबार प्रभावित होगा। भारत पर चौतरफा प्रभाव पड़ेंगे, यह विश्लेषण हम लिख चुके हैं। बहरहाल अब यह युद्ध किसी भी तरह रुकना चाहिए। दोनों पक्षों को व्यापक क्षति हो रही है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (इनके अतिरिक्त) दुर्मुख, अकम्पन, वज्रदन्त, धूमकेतु और अतिकाय आदि ऐसे अनेक योद्धा थे, जो अकेले ही सारे जगत को जीत सकते थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कामरूप जानहिं सब माया। सपनेहुँ जिन्ह कें धरम न दाया॥
दसमुख बैठ सभाँ एक बारा। देखि अमित आपन परिवारा॥

सभी राक्षस मनमाना रूप बना सकते थे और (आसुरी) माया जानते थे। उनके दया-धर्म स्वप्न में भी नहीं था। एक बार सभा में बैठे हुए रावण ने अपने अगणित परिवार को देखा- ॥

सुत समूह जन परिजन नाती। गनै को पार निसाचर जाती॥
सेन बिलोकि सहज अभिमानी। बोला बचन क्रोध मद सानी॥

पुत्र-पौत्र, कुटुम्बी और सेवक ढेर-के-ढेर थे। (सारी) राक्षसों की जातियों को तो गिन ही कौन सकता था! अपनी सेना को देखकर स्वभाव से ही अभिमानी रावण क्रोध और गर्व में सनी हुई वाणी बोला- ॥

सुनहु सकल रजनीचर जूथा। हमरे बैरी बिबुध बरूथा॥
ते सनमुख नहिं करहिं लराई। देखि सबल रिपु जाहिं पराई॥

हे समस्त राक्षसों के दलों! सुनो, देवतागण हमारे शत्रु हैं। वे सामने आकर युद्ध नहीं करते। बलवान शत्रु को देखकर भाग जाते हैं॥

(क्रमशः...)

आपातकाल के विरूद्ध संघर्ष में सबसे आगे रहा संघ

12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के रायबरेली से निर्वाचन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से इंदिरा गांधी तिलमिला उठी। जब प्रधानमंत्री ने अपनी सदस्यता खो दी है तो उन्हें नैतिक अधिकार नहीं है देश की सत्ता में बने रहने का। छात्र और युवा आंदोलित हो उठे। इंदिरा गांधी के विरूद्ध देशभर में प्रदर्शन होने लगे। कांग्रेस ने 20 जून, 1975 के दिन एक विशाल रैली का आयोजन किया। इस रैली में देवकांतबरुआ ने कहा, इंदिरा तेरी सुबह की जय, तेरी शाम की जय, तेरे काम की जय, तेरे नाम की जय। इसी जनसभा में अपने भाषण के दौरान इंदिरा गांधी ने घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं देंगी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने रामलीला मैदान पर विशाल जनसमूह के सम्मुख 25 जून, 1975 को कहा, सब विरोधी पक्षों को देश के हित के लिए एकजुट हो जाना चाहिए अन्यथा यहाँ तानाशाही स्थापित होगी और जनता दुखी हो जायेगी। लोक संघर्ष समिति के सचिव नानाजी देशमुख ने घोषणा कर दी, इंदिरा गांधी के त्यागपत्र की मांग लेकर गाँव-गाँव में सभाएं की जायेंगी और राष्ट्रपति के निवास स्थान के सामने 29 जून से प्रतिदिन सत्याग्रह होगा। उसी संध्या को जब रामलीला मैदान की विशाल जनसभा से हजारों लोग लौट रहे थे, तब प्रत्येक धूलिकण से मानो यही मांग उठ रही थी कि प्रधानमंत्री त्यागपत्र दें और वास्तविक गणतंत्र की परम्परा का पालन करें। 25 जून 1975 की रात्रि को देश पर आपातकाल थोप दिया गया। पूरा देश स्तब्ध रह गया।

भारत के चिरपोषित राजनीतिक मूल्यों पर संकट छा गया। नागरिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया । मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी गयी। न्यायालयों को निरर्थक बना दिया गया था। दिल्ली में नेताओं की धरपकड़ तेज हो गयी। विपक्ष के बड़े नेताओं में चाहे मोरारजी देसाई रहे हों, चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी बाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी को रातोंरात पकड़कर जेल में डाल दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरसंघचालक बाला साहब देवरस को 30 जून को नागपुर स्टेशन पर बंदी बना कर यरवदा जेल ले जाया गया। यरवदा जेल में पूज्य बाला साहब देवरस के साथ 500 संघचालक, कार्यवाह और कार्यकर्ता बंद थे। बाला साहब देवरस ने अपनी गिरफ्तारी के पूर्व ही आह्वान किया, इस असाधारण परिस्थिति में स्वयंसेवकों का दायित्व है कि वे अपना संतुलन न खोएं। संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जैसे-जैसे समय बीतता गया शासन प्रशासन का कहर जनता पर बढ़ता गया।

आपातकाल के दौरान सरकारी संचार माध्यमों का भी खूब दुरुपयोग किया गया। आल इंडिया रेडियो को इन्दिरा गांधी के भाषणों को प्रसारित करने के आदेश दिये गए।

सभी प्रकार की संचार व्यवस्था, यथा-

समाचार-पत्र-पत्रिकाओं, मंच, डाक सेवा और निर्वाचित विधान मंडलो को ठप्प कर दिया गया। प्रश्न था इसी स्थिति में जन आंदोलन को कौन संगठित करे? अंततः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपातकाल के विरूद्ध बिगुल फूंका। सारे समाज में आपातकाल के विरूद्ध वातावरण बनाने में संघ के कार्यकर्ताओं ने कष्ट सहकर बड़ी बुद्धिमत्ता और धैय से काम लिया। संघ का देश भर में शाखाओं का अपना जाल था और वही इस भूमिका को निभा सकता था। संघ प्रारम्भ से ही जन संपर्क के लिए वह प्रेस अथवा मंच पर कभी भी निर्भर नहीं रहा। अतः संचार माध्यमों को ठप्प करने का प्रभाव अन्य दलों पर तो पड़ा, पर संघ पर उसका रंचमात्र भी प्रभाव नहीं पड़ा। अखिल भारतीय स्तर के उसके केन्द्रीय निर्णय, प्रांत, विभाग, जिला और तहसील के स्तरों से होते हुए गाँव तक पहुंच जाते हैं। जब आपातकाल की घोषणा हुई उस बीच संघ की यह संचार व्यवस्था सुचारु ढ़ंग से चली। भूमिगत आंदोलन के ताने-बाने के लिए संघ कार्यकर्ताओं के घर महानतम वरदान सिद्ध हुए और इसके कारण ही गुप्तचर अधिकारी भूमिगत कार्यकर्ताओं के ठौर ठिकाने का पता नहीं लगा सके।

आपातकाल के समय भूमिगत रहते हुए रज्जू भैया,डा.आबाजी थत्ते,बाला साहब भिड़े, चमनलाल जी, ए रामभाऊ गोडबोले, सुंदर सिंह भण्डारी, ओम प्रकाश त्यागी, जगन्नाथ राव जोशी, दादा साहब आपटे और बापू राव मोघे जैसे संघ के अनेक वरिष्ठ प्रचारकों ने जनता का मनोबल बनाए रखने के लिए देशभर में प्रवास किया।

आपातकाल विरोधी संघर्ष में 1 लाख से भी ज्यादा स्वयंसेवक सत्याग्रह कर जेल गये। आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से एक लाख से अधिक सत्याग्रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। मीसा के अधीन जो 30,000 लोग बंदी बनाए गए, उनमें से 25000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। जबकि सत्याग्रह और जेल भरने का अनुभव का दावा करने वाली संस्था कांग्रेस 'ओ' और समाजवादी दल के ज्यादा लोग नहीं जा पाये। संघ के बाद अकाली दल की संख्या थी करीब 12 से 13 हजार थी। बाबा जयगुरूदेव भी मात्र तीन से चार हजार लोग को ही जेल भेज सके। सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं की संख्या बहुत सीमित थी, फिर भी अक्सर आपस में झगड़ते रहते थे। संघ के कार्यकर्ता जेलों में बड़े आनंद के साथ घुलमिलकर रहते थे। सभी जेलों में नियमित रूप से सुबह और शाम को संघ की शाखा लगती थी। उसमें शारीरिक और बौद्धिक के कार्यक्रम होते थे। आपातकाल विरोधी संघर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 कार्यकर्ता अधिकांशतः बंदीग्रहों और कुछ बाहर आपातकाल के दौरान बलिदान हुए।

अच्युतपटवर्धन ने लिखा है, मुझे यह जानकार प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता राजनीतिक प्रतिरोध करनेवाले किसी भी अन्य समूह के साथ मिलकर, उत्साह और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए, तथा घोर दमन और झूठ का सहारा लेने वाले पैशाचिक शासन का जो कोई भी विरोध कर रहे हों, उनके साथ खुल कर सहयोग करने और साथ देने के लिए तैयार थे।

जिस साहस और वीरता के साथ पुलिस के अत्याचारों और उसकी नृशंसता को झेलते हुए स्वयंसेवक आंदोलन चला रहे थे,उसे देखकर तो मार्क्सवादी संसद सदस्य ए के गोपालन भी भावकुल हो उठे थे। उन्होने कहा था कोई न कोई उच्चादर्श अवश्य है जो उन्हे ऐसे वीरोचित कार्य के लिए और त्याग के लिए अदम्य साहस प्रदान कर रहा है। (इंडियन एक्सप्रेस के 9 जून, 1979)

आपातकाल के दौरान विभिन्न प्रकार की ज्यादतियों को जानने के लिए 1977 में मोरारजी देसाई की सरकार ने 28 मई 1977 को शाह आयोग गठित किया जिसके अध्यक्ष जस्टिसजे सी शाह थे। सभी पहलुओं की जांच करने के बाद शाह आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जिस वक्त आपातकाल की घोषणा की गई उस वक्त देश में न तो आर्थिक हालात खराब थे और न ही कानून व्यवस्था में किसी तरह की कोई दिक्कत।

आपातकाल के दौर में आज़ादी के बाद देश के भीतर इतने बड़े पैमाने पर नेताओं की गिरफ्तारी पहली बार हुई थी। भिखारियों की जबरदस्ती नसबंदी की गई बल्कि ऑटो रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए नसबंदी सर्टिफिकेट दिखाना पड़ता था।

आपातकाल के समय काम कर चुके वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र भदौरिया अपनी पुस्तक तानाशाही में लिखते हैं कि ''जर्मन तानाशाह हिटलर के कालखण्ड में लगभग 15 लाख लोगों को जबरन नपुंसक बनाया गया था जबकि इंदिरा गांधी ने अपने 21 माह के तानाशाही काल में पांच गुना लोगों (पुरूषों -महिलाओं) को नपुंसक बना डाला था। इंदिरा के काल में यह संख्या 60 लाख से अधिक थी। कितने दुर्भाग्य की बात है कि आपातकाल की त्रासद घटनाओं का संज्ञान या तो बहुत हल्के ढ़ंग से लिया गया अथवा विस्मृति के गर्त में धकेल दिया गया।''

पूरा देश आपातकाल के विरूद्ध जब संघर्ष कर रहा था तो कम्युनिस्ट कांग्रेस की हां में हां मिला रहे थे। सीपीआई ने आपातकाल को एक अवसर के रूप में देखा और स्वागत किया। सीपीआई नेताओं का मानना था कि वे आपातकाल को कम्युनिस्ट क्रांति में बदल सकते थे। सीपीआई ने 11वीं भटिंडा कांग्रेस में इन्दिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपातकाल का समर्थन किया था।

भारत में तानाशाही नहीं चल सकती। भारत का जन मन लोकतंत्र की हत्या सहन नहीं कर सकता। भारत के सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जब-जब भी हमला हुआ है उस अन्याय और अत्याचार के प्रति भारत का जन हमेशा संघर्ष के लिए उठ खड़ा हुआ है।

- बृजनन्दन राजू
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी

भारतीय लोकतंत्र ने विश्व भर में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हालांकि लोकतंत्र की इस समृद्ध यात्रा में आपातकाल जैसा एक कलंकित अध्याय भी जुड़ा है। 25 जून, 1975 की वो रात कौन भूल सकता है जिसे खासतौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की %तानाशाही% के रूप में जाना जाता है। ये वही रात थी जब तत्कालीन राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

25 जून 2025 को कांग्रेस पार्टी की शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर आपातकाल को थोपे हुए 50 वर्ष पूरे होंगे। इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीती 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, %कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।%

20 नवंबर 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफ़ी नहीं मांगी। ख़ासकर नेहरू-गांधी खानदान से अफ़सोस का एक शब्द भी नहीं कहा गया। गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने इसके विरोध में बयान जारी किया या विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपातकाल पर खामोश ही रही।

माफी मांगने की बजाय इंदिरा गांधी के पुत्र पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को आपातकाल पर गर्व करते हुए लोकसभा में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं है। पूर्व पीएम ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है। तानाशाही पर गर्व करने का यह कृत्य ही दर्शाता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है। पूर्व पीएम राजीव गांधी का वक्तव्य कांग्रेस पार्टी के मूल चरित्र को दर्शाता है।

आपातकाल की अवधि के बाद दो पीढ़ियां बड़ी हो चुकी हैं तो उन्हें इसकी भनक नहीं होगी कि तब देश में कितने खराब हालात रहे। बिना किसी अदालती कार्यवाही के संसद से विपक्षी सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। एक लाख से ज़्यादा लोगों को जेल में डाल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। इंदिरा गांधी ने खुद को ही कानून बना लिया था। इंदिरा गांधी में प्रतिशोध की भावना की सारी सीमाएं टूट गई थीं। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के संवैधानिक संस्थाओं और मर्यादाओं के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा आज तक देश भुगत रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने जुलाई 2015 में कहा कि, हमें क्यों माफी मांगनी चाहिए? हम क्यों आपातकाल पर चर्चा करें? मार्च 2021 को राहुल गांधी ने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में आपातकाल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, मुझे लगता है कि वह एक गलती थी बिलकुल, वह एक गलती थी। और मेरी दादी (इंदिरा गांधी) ने भी ऐसा कहा था।

मई 2004 में ए इंडियन एक्सप्रेस के तत्कालीन प्रधान संपादक शेखर गुप्ता के साथ बातचीत में सोनिया गांधी ने कहा था कि उनकी सास ने बाद में महसूस किया था कि यह एक गलती थी। सोनिया गांधी ने तब कहा था, ठीक है, मेरी सास ने खुद चुनाव हारने के बाद (1977 में) कहा था कि उन्होंने उस (आपातकाल) पर पुनर्विचार किया था। और यह तथ्य कि उन्होंने चुनाव की घोषणा की, इसका मतलब है कि उन्होंने आपातकाल पर पुनर्विचार किया था।

बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला बताया गया। कांग्रेस सांसदों ने प्रस्ताव विरोध में कहा कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए?

निर्लज्जता की पराकाष्ठा देखिए जिस कांग्रेस पार्टी के नेता ने केवल अपनी सत्ता कायम रखने के लिए आपातकाल लगाया, इन दिनों उसी पार्टी के नेता संविधान रक्षक होने का दावा करते घूमते हैं। 2024 के आम चुनाव से इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी लगातार संविधान की एक किताब को सार्वजनिक रूप से लहराकर यह दावा करते रहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ही संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक संरक्षक है, जबकि सच्चाई यही है कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान के आत्मा को क्षति पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान पर विशेष बहस के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, उन्होंने (राजनाथ सिंह) 1975 (आपातकाल) के बारे में बात की तो सीख लीजिए न आप भी... आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगिए... आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए... दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। यानी अपनी गलती के लिए माफ़ी मांगने की बजाय सामने वाले को नसीहत देना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। प्रियंका ने भी वही किया जो उनकी पार्टी के नेता करते आए हैं।

नैयर लिखते हैं कि, युद्ध के बाद के जर्मनी ने हिटलर के अत्याचारों के लिए माफी मांगी थी। यहां तक कि जर्मनी ने इसके लिए हर्जाना भी भरा था। ऐसे अत्याचारों के लिए कोई माफी नहीं दी जा सकती, लेकिन लोगों को सामान्य तौर पर लगता है कि बच्चों को एहसास होगा कि उनके पूर्वजों ने गलती सुधारने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमृतसर स्वर्ण मंदिर गए थे और उन्होंने ब्लू स्टार ऑपरेशन के लिए माफी मांगी थी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जून 2024 को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जो शब्द कहे थे, उससे कांग्रेस के मूल स्वरूप और चरित्र को जानना और समझना सरल हो जाता है। योगी जी ने कहा था कि, उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

आपातकाल के 45 साल बाद विदेशी धरती पर राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि इमरजेंसी का निर्णय गलत था। लेकिन देशवासियों से उन्होंने या कांग्रेस के किसी नेता ने आपातकाल के लिए माफ़ी नहीं मांगी। कांग्रेस नेता गाहे—बगाहे आपातकाल पर गुमराह करने और बेशर्मी से इस अमानवीय फैसले को सही साबित करते रहते हैं। लेकिन वे अपनी पार्टी के नेता द्वारा लिए गए एक घोर अलोकतांत्रिक और संविधान का गला घोंटने वाले निर्णय, अमानुषिक और तानाशाही रवैये के लिए माफ़ी मांगने का नैतिक और राजनीतिक साहस जुटा नहीं पाते हैं।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ
(स्वतंत्र पत्रकार)

राशिफल

आषाढ़ माह कृष्ण पक्ष अमावस्या | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन हानि के संकेत हैं इसलिए निवेश अभी वर्जित रहेगा। वाणी पर विराम दें क्योंकि आपस में कौटुंबिक हलचल मच सकती है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रु परास्त होंगे। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावनाओं पर काबू रखें। लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं। यद्यपि घरेलू सुख बढ़ चढ़कर आप भोगेंगे और भूमि भवन वाहन की खरीदारी भी संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
किया गया प्रयास सफलतादायक होगा, जो आपने सोचा है, जो आपने डिजाइन किया है, उसको इंप्लीमेंट करिए।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। सरकारी तंत्र का लाभ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
यात्रा का योग बनेगा। थोड़ा सा मान सम्मान पर ठेस न पहुंचे इस बात का ध्यान रखिएगा। बाकी स्वास्थ्य अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का साथ मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा पहले से बेहतर।

हिन्दी मंचीय कविता एवं गद्य लेखन को कौशल विकास में शामिल करने की मांग

लखनऊ (चेतना मंच)। लखनऊ में कल हिन्दी कवियों के अंतरराष्ट्रीय संगठन ललित फाउंडेशन के संस्थापक, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कवि अमित शर्मा तथा ललित फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुप्रसिद्ध साहित्यकार कुशल कुशलेन्द्र ने उत्तर प्रदेश के कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा।

इस ज्ञापन में कविता लेखन, कंटेंट राइटिंग तथा स्क्रिप्ट राइटिंग जैसे रचनात्मक लेखन विधाओं को कौशल विकास मंत्रालय की योजनाओं में औपचारिक रूप से शामिल करने की मांग की गई है। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य साहित्य और लेखन के क्षेत्र में सक्रिय रचनाकारों को कौशल विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करना एवं उनके सृजनात्मक कौशल को औपचारिक मान्यता दिलाना है।

ज्ञापन में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि कविता, गद्य लेखन, कंटेंट राइटिंग और स्क्रिप्ट लेखन न केवल रचनात्मकता के परिचायक हैं, बल्कि डिजिटल युग में ये रोजगार और स्वरोजगार के महत्वपूर्ण स्रोत भी

बन चुके हैं। आज के समय में कंटेंट निर्माण, पटकथा लेखन और साहित्यिक रचनाओं की माँग निरंतर बढ़ रही है। अत:, इन क्षेत्रों में कार्यरत युवाओं और साहित्यकारों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

अमित शर्मा ने कहा, कविता और साहित्यिक लेखन केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि ये भावनाओं को अभिव्यक्त करने और सामाजिक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इसे कौशल विकास का अंग बनाया जाए तो नई पीढ़ी को इससे जोड़कर उसे सशक्त किया जा सकता है। वहीं, कुशल कुशलेन्द्र ने कहा, कंटेंट और स्क्रिप्ट लेखन आज मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग की रीढ़ बन चुके हैं। इन क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को औपचारिक प्रशिक्षण एवं संस्थागत समर्थन की आवश्यकता है।

कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने ज्ञापन को स्वीकार करते हुए इस मांग को गंभीरता से लेने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि साहित्य और लेखन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों को कौशल विकास योजनाओं में सम्मिलित किए जाने की संभावनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा, जिससे अधिकाधिक युवा लाभान्वित हो सकें।

यह पहल न केवल लेखकों और साहित्यकारों को नई दिशा प्रदान करेगी, अपितु उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक तथा रचनात्मक उद्योगों को भी सुदृढ़ आधार प्रदान करेगी। इस अवसर पर साहित्यिक समुदाय ने इस प्रयास को ऐतिहासिक बताते हुए उसका स्वागत किया।

शिकायत पर हुई कार्यवाही

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एक्टिव सिटीजन टीम द्वारा परी चौक की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एवं एसीईओ से शिकायत की गयी थी जिस पर अधिकारियों ने संज्ञान में लेते हुए परी चौक की साफ-सफाई, मरम्मत कार्य एवं प्रतिमाओं (परियों) की रंगाई-पुताई का कार्य करवाया।

आरएसएस संघ के शिक्षा वर्ग का समापन समारोह सम्पन्न

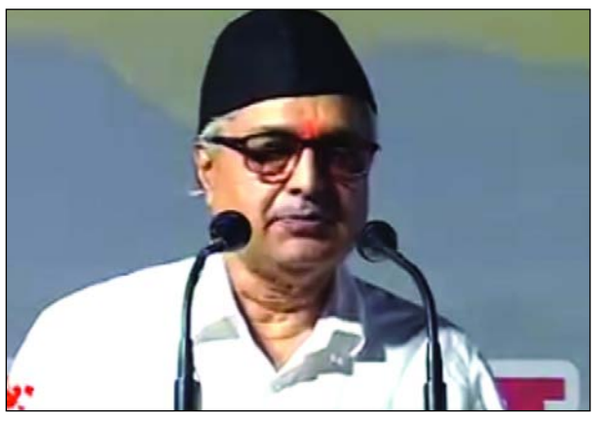

शामली (चेतना मंच)। शामली में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संघ शिक्षा वर्ग का सामान्य समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस समापन समारोह में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए पश्चिम प्रदेश एवं उत्तराखंड के क्षेत्र प्रचारक महेंद्र जी ने कहा कि 'हिंदू' एक प्राचीन काल का शब्द है, जिसकी परिभाषा स्वयं भारत के संविधान में दी गई है। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व में रहने वाले सभी लोग, जो इस संस्कृति से जुड़े हैं, वे हिंदू ही हैं।

श्री महेंद्र ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण हेतु विभिन्न स्तरों पर वर्गों का आयोजन किया जाता है। इनमें सबसे अधिक अवधि का प्रशिक्षण 25 दिवसीय वर्ग नागपुर में आयोजित होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू समाज का संगठन है, जो समाज को एकजुट करने, संस्कृति की रक्षा करने और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य करता है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से स्वयंसेवकों को भारतीय संस्कृति, जीवनशैली, शारीरिक और बौद्धिक अनुशासन का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गीता और वेद जैसे पवित्र ग्रंथों का वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने के लिए भारत आना आवश्यक है, क्योंकि भारत ही वह भूमि है जहां इन ग्रंथों की आत्मा बसती है और इनकी वास्तविक अनुभूति संभव है।

उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जिसकी सांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक विरासत पूरी दुनिया में विशिष्ट स्थान रखती है। इस संघ शिक्षा वर्ग में पश्चिम क्षेत्र (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) से बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक प्रेमचंद जी ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवकों का स्वागत एवं धन्यवाद किया।

सीटू ने बीएचईएल कंपनी पर मजदूर-किसान महापंचायत का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय वेतनमान लागू कराने और गैरकानूनी ढंग से कार्य से रोके गए 17 श्रमिकों की पुन: सेवा में बहाली की मांग को लेकर विगत दो माह से आंदोलनरत कर्मचारियों के समर्थन में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) की गौतमबुद्धनगर जिला कमेटी द्वारा मै0 भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) सदन, सेक्टर-16ए, नोएडा फिल्म सिटी में मजदूर-किसान महापंचायत का आयोजन किया गया।

महापंचायत को संबोधित करने वालों में सीटू दिल्ली-एनसीआर महासचिव पी.वी. अनियन, राज्य कमेटी सदस्य पुष्पेंद्र सिंह, एक्टू नेता अमर सिंह, यूपीएलएफ के रामनरेश यादव, टीयूसीआई के उदय चंद्र झा, किसान सभा के जगबीर नंबरदार, बीर सिंह नागर, गवरी मुखिया, सुरेश यादव, विजय यादव, किसान एकता संघ के शौकत अली चौधरी, प्रमोद शर्मा, विक्रम नागर, पप्पू नागर, संजीव चौधरी, भारतीय किसान परिषद के उदल आर्य, सोनू यादव, नरेश यादव, मोनू चौहान, गुलशन यादव, भारत यादव, डब्बू यादव, विक्रम यादव, दीपक शर्मा, जनवादी महिला समिति की चंदा बेगम, रेखा चौहान, गुड़िया देवी, इशरत, दिल्ली एयरपोर्ट यूनियन के राज सिंह, ग्रेटर

नोएडा माली एवं सफाई कामगार यूनियन के रामकिशन, टीकम चौधरी, नोएडा प्राधिकरण श्रम अनुबंध कर्मचारी संघ के बृजभान चौधरी, सीटू गाजियाबाद के जी.एस. तिवारी, बृजेश कुमार सिंह, ईश्वर त्यागी, त्रिशूल सिंह, देवेंद्र शर्मा, सीटू गौतमबुद्धनगर के रामसागर, हुकम सिंह, मुकेश कुमार राघव, रामस्वारथ, रंजीत तिवारी, गंगेश्वर दत्त शर्मा, पिंकी देवी तथा बीएचईएल कर्मचारी नेता सुरेंद्र सिस्वाल, रंजीत सिंह, मनमोहन, शालू, बीना, गुड़िया आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सिक्योरिटी गार्ड से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कार सवार युवकों ने घर के बाहर लगे एनपीसीएल के बिजली बॉक्स में टक्कर मार दी। घर के बाहर बैठे सिक्योरिटी गार्ड ने जब युवकों से सही तरह से कार चलाने को कहा तो उन्होंने उसे भी पीट दिया। सिक्योरिटी गार्ड ने कार सवार युवकों के खिलाफ थाना बीटा दो में मुकदमा दर्ज कराया है।

झारखंड के रहने वाले वीरू पासवान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि वह हाल में नमोली गांव में किराए पर रह रहा है और ग्रेटर नोएडा के अल्फा 1 सेक्टर में एक मकान में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। 24 जून की रात्रि को वह अपनी ड्यूटी पर था रात्रि करीब पौने तीन बजे तेज गति में आई एक कार ने गार्ड रूम के आगे लगे एनपीसीएल के बिजली के बॉक्स में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बिजली का बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गया उसने जब कार सवारों से सही तरह से कार चलने को कहा तो वह भडक उठे और उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट करने के बाद युवक कार में बैठकर फरार हो गए। गार्ड की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरा की मदद से कार सवार युवकों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

प्राधिकरण ने लगाया अल्सटोनिया सोसाइटी पर 48 हजार रुपये का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर पाई टू स्थित अल्सटोनिया सोसाइटी पर 48,800 रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 के अंतर्गत बल्क वेस्ट जेनरेटर होने के बावजूद कूड़े का उचित प्रबंधन न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

दरअसल, प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की टीम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 के अंतर्गत आने वाले सभी बल्क वेस्ट जेनरेटरों के यहां मौके पर जाकर कूड़े के प्रबंधन का निरीक्षण कर रही है। कूड़े का उचित प्रबंधन न मिलने पर टीम पेनल्टी भी लगाती है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को अल्सटोनिया सोसाइटी का निरीक्षण किया। टीम ने कूड़ा रोड पर देखते हुए पकड़ लिया।

सोसाइटी में कूड़े का उचित प्रबंधन नहीं पाया गया। सोसाइटी से ट्रॉली में कूड़ा भरकर रोड किनारे फेंका जा रहा है। प्राधिकरण की टीम की तरफ से नोटिस लेने से भी सोसाइटी प्रबंधन ने इंकार कर दिया, जिससे प्राधिकरण की टीम ने नोटिस को समिति के गेट पर चस्पा कर दिया। कूड़े का उचित प्रबंधन न करने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कूड़े का प्रबंधन न करने और सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा फेंकने के चलते सोसाइटी पर 48,800 रुपये की पेनल्टी लगाई है। प्राधिकरण ने जुर्माने की रकम को तीन कार्य दिवस में जमा कराने को कहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने चेतावनी दी है कि सभी बल्क वेस्ट जेनरेटर अपने कूड़े का निस्तारण खुद से करना सुनिश्चित करें अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ रखने में सभी निवासियों से प्राधिकरण का सहयोग करने की अपील की है।

अजनारा होम्स सोसाइटी पर ग्रेनो प्राधिकरण ने 5 लाख रुपये का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16बी स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सोसाइटी का मोटर पंप खराब होने के कारण निवासियों को पानी की किल्लत से जूझने और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग की तरफ से सप्लाई के पानी का इस्तेमाल उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए करने पर यह पेनल्टी लगाई गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए सेक्टर 16बी स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में पानी की किल्लत से निवासियों के जूझने की जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर प्राधिकरण के जल विभाग की टीम मौके पर गई। टीम ने पाया कि सोसाइटी का मोटर पंप खराब है। जल विभाग की तरफ से सप्लाई के पानी का इस्तेमाल उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए किया जा रहा है, जबकि एनजीटी की तरफ से स्पष्ट आदेश है कि उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए एसटीपी के पानी का ही इस्तेमाल कर सकते हैं। पानी की किल्लत के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट से प्राधिकरण की छवि भी धूमिल हो रही है, जिसके चलते प्राधिकरण के जल विभाग ने अजनारा होम्स सोसाइटी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने सोसाइटी प्रबंधन से अपील की है कि पानी के नेटवर्क को दुरुस्त रखें, ताकि निवासियों को पानी की किल्लत से नहीं जूझना पड़े। उन्होंने उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग कार्यों के लिए एसटीपी से शोधित पानी का ही इस्तेमाल करने की अपील की है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या:
NER-BSB0SnT(OT)/10/2025

मंडल रेल प्रबन्धक/सिग. एवं दूरसंचार / पूर्वोत्तर रेलवे / वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली-ई" निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम : NER-BSB0SnT(OT)/10/2025, कार्य का नाम : वाराणसी मंडल में छपरा जंक्शन, सिवान जंक्शन एवं प्रयागराज रामबाग में लैन (LAN) इंफ्रास्ट्रक्चर और आईपी (IP) एक्सचेंज का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 17277616.14, बयाना की राशि: ₹ 236400.00, निविदा प्रपत्र की कीमत : Rs. 00.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 180 Days, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय: 16/07/2025 को 15:00 बजे
1. ई-निविदा दिनांक 16/07/2025 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।
मंडल रेल प्रबन्धक/सिग. एवं दूर संचार/वाराणसी
मुजाधि/सिगनल - 24
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

ग्रेनो के सभी एसटीपी पर लगेंगे ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में बने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। बादलपुर स्थित एसटीपी से इसकी शुरुआत भी हो गई है। अब ऑफिस से ही इस एसटीपी की मॉनिटरिंग की जा रही है।

नमामि गंगा परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी एसटीपी को ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सीवर विभाग को ग्रेटर नोएडा के सभी एसटीपी में ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम तत्काल लगाने के निर्देश दिए। सीवर विभाग ने इस योजना पर तत्काल काम शुरू कर दिया। बादलपुर स्थित दो

एमएलडी क्षमता के एसटीपी पर सबसे पहले इसे लागू किया गया है।

प्राधिकरण ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम को सभी एसटीपी पर लागू करने जा रहा है। प्राधिकरण का अगला लक्ष्य सेक्टर ईकोटेक दो व तीन स्थित एसटीपी हैं। सेक्टर ईकोटेक-दो की क्षमता 15 एमएलडी और ईकोटेक-3 की क्षमता 20 एमएलडी की है।

इन दोनों एसटीपी पर दो सप्ताह में ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम लग जाएंगे। कासना स्थित 137 एमएलडी क्षमता के एसटीपी पर एक माह में ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने की तैयारी है। इसका टेंडर जारी किया गया है। एक एसटीपी पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने में लगभग 30 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जिसे प्राधिकरण वहन कर रहा है।

वरिष्ठ प्रबंधक विनोद शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस होने के बाद प्राधिकरण के अधिकारी ऑफिस में बैठकर नजर रख सकेंगे। सीवर शोधन से पहले और बाद में बीओडी-सीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड और केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) की मात्रा कितनी हैं, यह जानकारी ऑफिस में मिल सकेगी। इस सिस्टम से छह मोबाइल-लैपटॉप कनेक्ट हो सकते हैं। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक, कॉन्ट्रैक्टर, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नमामि गंगा परियोजना से जुड़ी अथॉरिटी भी इसकी मॉनिटरिंग करेगी।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे और लंदन में रह रहे थे, वहीं उन्होंने सोमवार को अंतिम सांसें लीं। दोशी ने साल 1979 से लेकर 1983 तक भारतीय टीम की ओर से 33 टेस्ट और 15 एकदिवसीय मैच खेलकर कुल 126 विकेट लिए थे। उन्होंने टेस्ट में 114 और एकदिवसीय में 22 विकेट लिए। 32 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले दोशी उन नौ भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में भी पांच विकेट लिए थे। तब किम ह्यूज की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत आई थी और उसमें देशी जबरदस्त प्रदर्शन कर खासे लोकप्रिय हुए थे। दोशी क्रिकेट से संन्यास के बाद लंदन में बस गये थे। दोशी ने साल 1980 के दशक में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

गोयनका ने की ऋषभ और राहुल की प्रशंसा

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में असफल रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही टेस्ट में दो शतक लगा दिये। ऐसे में सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका भी ऋषभ की प्रशंसा से अपने को रोक नहीं पाये। गोयनका ने ऋषभ के साथ शतक लगाने वाले केएल राहुल की भी सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, बहुत अच्छे दो शतक। ऋषभ के लिए लगातार दो शतक। आक्रामक, साहसी, शानदार। इतिहास में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले केवल दूसरे विकेटकीपर। राहुल को भी उनके शतक के लिए बधाई। ऋषभ आईपीएल में केवल दो पारियों में ही अर्धशतक और शतक लगा पाये थे बाकि सभी मैचों में वह बेहद कम रन बना पाये। राहुल पिछले सत्र में सुपर जायंट्स के कप्तान रहे थे और तब टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में राहुल और ऋषभ की जोड़ी ने मिलकर शतक लगाये थे। इन दोनो के बीच 195 रनों की साझेदारी हुई, जिससे भारतीय टीम 350 के ऊपर रन बनाने में सफल हरी।

रिंकू और प्रिया सरोज की शादी की तारीख आगे बढ़ी

अलीगढ़ । क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की शादी कुछ समय के लिए टल दी गयी है। इसका कारण रिंकू का व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम है। पहले ये शादी 8 नवंबर को वाराणसी में शादी होनी थी पर अब इसे फरवरी तक आगे बढ़ा दिया गया है। इन दोनो की सगाई 8 जून को लखनऊ में हुई थी और तभी कहा गया था कि शादी 18 नवंबर को वाराणसी के ताज होटल में होगी पर अब इसे फरवरी महीने में कर दिया गया है। ऐसे में दोनों परिवारों ने शादी की तैयारियों को रोक दिया है। इसका कारण क्रिकेट टूर्नामेंट में रिंकू का व्यस्त होना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिंकू के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए ही शादी को फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है पर अभी नई तारीख तय नहीं हुई है रिंकू और प्रिया की मुलाकात 4 साल पहले दिल्ली में हुई थी। इसके बाद से ही दोनो में दोस्ती हुई जो अब शादी तक पहुंच गयी है।

इंटर मियामी और पामेइरास का रोमांचक मुकाबला 2-2 से ड्रॉ

एजेंसी

मियामी। फीफा क्लब वर्ल्ड कप के ग्रुप ए के आखिरी मुकाबले में इंटर मियामी ने दो गोल की बढ़त हासिल करने के बावजूद पामेइरास के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस नतीजे के साथ दोनों टीमें नॉकआउट चरण में पहुंच गई हैं, जहां इंटर मियामी का मुकाबला अब यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से होगा। मियामी की ओर से तादेओ अलेंदे और लुइस सुआरेज ने गोल दागकर टीम को 2-0 की मजबूत बढ़त दिलाई थी, लेकिन आखिरी 10 मिनट में पॉलिन्हो और मॉरिसियो ने गोल

करके पामेइरास को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों टीमें पांच-पांच अंकों के साथ ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहीं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण पामेइरास पहले स्थान पर रही और मियामी दूसरे स्थान पर। इस ड्रॉ के साथ अल-अहली और पोर्तो टूर्नामेंट से बाहर हो गए और दोनों के बीच का मैच 4-4 से ड्रॉ रहा। लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी अब प्री-क्वार्टर फाइनल में पीएसजी से भिड़ेगी, जहां वह 2021 से 2023 के बीच दो सीजन खेल चुके हैं। पामेइरास का सामना अब अपने घरेलू प्रतिद्वंद्वी बोटाफोगो से होगा इंटर मियामी के कोच जेवियर माशेरानो ने मैच के बाद कहा, हमारे लिए यह एक शानदार मुकाबला था। दक्षिण अमेरिका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना आसान नहीं है। यह मेजर लीग सॉकर के लिए ऐतिहासिक रात है। उन्होंने आगे कहा, ह्हालांकि मैच हमारे हाथ में था, इसलिए अंत में थोड़ा अजीब लगा। लेकिन अगर टूर्नामेंट की शुरूआत से पहले कोई कहता कि हम इन टीमों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन करेंगे, तो मैं तुरंत मान लेता। इंटर मियामी, मेजर लीग सॉकर की एकमात्र टीम है जो अंतिम 16 में पहुंची है, जबकि लॉस एंजेलेस एफसी और सिएटल साउंडर्स बाहर हो चुके हैं। मुकाबले की शुरूआत में ब्राजीलियन समर्थकों से भरे स्टेडियम में पामेइरास ने जोरदार दबाव बनाया, लेकिन उनकी अंतिम पासिंग में सटीकता की कमी दिखी।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हो सकती है आर्चर की वापसी

एजेंसी

लीड्स । इंग्लैंड के रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। आर्चर अब अपनी चोट से उबर गये हैं और व डरहम में ससेक्स की ओर से काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ह्यह्यआर्चर ससेक्स के लिये लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए उन्हे शामिल किया जा सकता है। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट से बाहर हैं। आर्चर ने साल 2021 से ही

इंग्लैंड के लिए लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में 4 साल बाद उनकी टीम में वापसी इंग्लैंड के लिए विशेष होगी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में ही कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था, कई बार वह मुझे संदेश भेजता है। मैंने उसे यही सलाह दी कि जल्दबाजी नहीं करे। वह चोटों से काफी परेशान रहा है। उसकी वापसी इंग्लैंड के लिये महत्वपूर्ण होगी। उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में चयन के लिये उपलब्ध होगा।

यशस्वी को मिली ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह

एजेंसी

लीड्स। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उसकी ओर से पांच शतक लगे। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे भारतीय टीम के यशस्वी जायसवाल को अपने अच्छे प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह मिली है। यशस्वी ने पहली पारी में शतक लगाया। इससे वह इंग्लैंड के खिलाफ कम से कम 500 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों में औसत के मामले में महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन, स्टीवी डेंप्स्टर, वॉरिंस रो और जॉर्ज

हेडली के विशिष्ट क्लब में जगह बनाने में सफल हुए। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 159 गेंदों में 101 रन बनाए। इस प्रकार यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा औसत से टेस्ट रन बनाने के मामले में ब्रेडमैन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी का औसत 90.33 रहा जबकि ब्रेडमैन का औसत 89.78 का है। हालांकि, दूसरी पारी में यशस्वी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। इससे उनका औसत गिरकर 81.70 हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाजों में शीर्ष पर ब्रेडमैन हैं। ब्रेडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89.78 की औसत से 5,028 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं दूसरे नंबर पर स्टीवी डेंपस्टर हैं। डेंपस्टर ने अंग्रेजों के खिलाफ 88.42 की औसत से 619 रन बनाए थे जबकि यशस्वी सूची मेंतीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 6 टेस्ट मैच की 11 पारियों में कुल 817 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 81.70 का रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अब तक 3 शतक और इतने ही अर्धशतक लगाये हैं। लॉरिंस रो इस सूची में चौथे नंबर पर हैं।

दिनेश ने की बुमराह की तुलना कोहिनूर से

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती खिलाड़ी हैं। कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए जिससे वह पहली पारी में 465 रन ही बना पायी। कार्तिक ने बुमराह की गेंदबाजी को देख कर ही उनकी तुलना बेशकीमती कोहिनूर हीरे से की है। कार्तिक ने बुमराह के लिए कहा, वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती है। वह सभी प्रारूपों में टीम के लिए महत्वपूर्ण है। वह किसी भी

प्रारूप, गेंदबाजी चरण और किसी भी प्रकार के हालातों में अपना काम बखूबी करेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके पास वह दिमाग है जो जानता है कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है और उसने इसे बहुत अच्छी तरह से समझा है। 200 से अधिक विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज को देखा जाये तो उसका औसत सबसे अच्छा है, और यह आपको बताता है कि वह बहुत विशेष है।

बुमराह ने टेस्ट में 14 वीं बार पांच विकेट लेकर कपिल के रिकॉर्ड की बराबरी की है। बुमराह एकमात्र खिलाड़ी रहे जिनके सामने मेजबान इंग्लैंड के बल्लेबाज दबाव में रहे। बुमराह ने विदेशी धरती पर महान ऑलराउंडर कपिल देव के 12 बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी भी की पर उन्होंने यह उपलब्धि केवल 34 मैचों में ही हासिल कर ली जबकि कपिल ने 66 मैचों में ऐसा किया है।

बांग्लादेश ने श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की टीम, लिटन की वापसी

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास की वापसी के अलावा चार अन्य खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। ये एकदिवसीय सीरीज 2, 5 और 8 जुलाई को होगी। पहले दो मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे जबकि अंतिम मैच पल्लेकेले में खेला जाएगा। मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन ने कहा कि लिटन को हाल ही में बांग्लादेश की टी20 टीम के कप्तान के रूप में नियुक्त किए जाने के कारण टीम में जगह दी गयी हालांकि उनका फार्म पिछले कुछ समय से खराब

रहा है। अशरफ ने कहा, लिटन खराब दौर से गुजर रहे थे पर समय के साथ सब ठीक हो जाता है। वह टी20 कप्तान हैं, इसलिए हम अगले टी20 विश्व कप तक उनके बारे में विचार कर सकते हैं। अगर किसी को फॉर्म में आना है तो उसे मैदान पर समय बिताना होगा। हमें लगता है कि लिटन अपनी फॉर्म को एकदिवसीय से टी20 में ले जा सकते हैं। वहीं टीम में शामिल नए खिलाड़ियों में मोहम्मद नईम, शमीम हुसैन, तनवीर इस्लाम और हसन महमूद हैं।

राहुल के शतक से बेहद खुश हैं पत्नी अथिया

मुम्बई । भारतीय टीम के बल्लेबाज केएल राहुल के लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलफ लगाये शतक से उनकी पत्नी अथिया शेट्टी बेहद खुश हैं। राहुल ने दूसरी पारी में 137 रन बनाए। इसके बाद से ही उनकी बल्लेबाजी की जमकर प्रशंसा हो रही है। राहुल के तो उन पर गर्व है। अथिया के पिता सुनील शेट्टी ने भी राहुल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी पारी नहीं देखी। अथिया ने एक प्यारा सा संदेश भी दिया है। अथिया ने सोशल मीडिया पर राहुल की तस्वीर साझा कर लिखा, ये वाला काफी विशेष है। यह इसलिए क्योंकि मार्च में उनकी बेटी का जन्म हुआ है और यह इससे राहुल का प्रदर्शन भी अच्छा हुआ। वहीं सुनील शेट्टी ने लिखा, ऐसी पारी जो कम बोलती है पर इसमें कहा सब कुछ है। आप पर गर्व है बेटा।

दो दिवसीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

- सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस कांके बना विजेता

रांची । कांके प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का दो दिवसीय आयोजन दिनांक 23 एवं 24 जून 2025 को राजकीय प्लस टू विद्यालय कांके के खेल मैदान में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में कांके प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों की फुटबॉल टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन 23 जून को हुआ, जिसमें कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार, तथा कांके उप प्रमुख अजय बैठा, विधायक प्रतिनिधि संजय मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में सभी

अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल को शिक्षा के साथ जोड़ते हुए इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बताया। समापन समारोह में कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उप प्रमुख संजय मुंडा, संरक्षक डी.डी.ओ. कांके राजेश कुमार, सुकुरहुटू विद्यालय के प्राचार्य दिनेश प्रसाद, खेल शिक्षक डॉ. समीर कुमार एवं प्रवीण सिंह, नोडल पदाधिकारी प्रमोद कुमार, विशाल कुमार, सुषमा रानी, मो. एजाज अशरफ, तथा नीलू सिंह, डॉ ओम प्रकाश की गरिमामयी उपस्थिति रही। समस्त खिलाड़ियों के स्वागत एवं मनोबलवर्धन की भूमिका बी.पी.ओ. मंजू बीलूंग एवं प्रखण्ड एम आई एस आशीष साहु ने निभाई।सफल आयोजन में आशीष कुमार साहू, परवेज अख्तर, पिंकी पांडे, की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। आयोजन समिति ने सभी स्कूलों, कोच, शिक्षकों, और विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

काउंटी क्रिकेट में इशान ने पहले ही मैच में लगाया अर्धशतक

एजेंसी

नॉटिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन आजकल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। यहां इशान ने नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए अपने पहले ही मैच में यार्कशायर के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया। इशान ने केवल 98 गेंदों में 12 चौके और एक छक्का लगाकर 87 रन बनाए। इस बल्लेबाज ने 88.77 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। किशन ने नॉटिंघमशायर के लिए दो काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए करार किया है। इसने वह ट्रेंट ब्रिज में

यॉर्कशायर और टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए चयन के योग्य बने हैं। उन्हें काइल वेरिन के बाहर होने के कारण टीम में शामिल किया गया है। इशान ने अब के अपने करियर में भारतीय टीम की ओर से दो टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने तीन पारियों में एक अर्धशतक की सहायता से 78 रन बनाए हैं। एकदिवसीय में वह खासे सफल रहे हैं। इसमें उन्होंने 27 मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 की स्ट्राइक रेट से एक शतक और 7 अर्द्धशतक और 210 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 933 रन बनाए हैं। भारतीय टीम की ओर से 32 टी20आई में उन्होंने 25.67 की औसत, 124.37 की स्ट्राइक रेट से छह अर्धशतक और 89 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 796 रन बनाए हैं। इस साल हुए आईपीएल में वह पहले मैच के अलाव अन्य सभी मैचों में विफल रहे थे।

किशोरी घर से लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के शांति कुंज से एक 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

शांतिकुंज में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी बीते 17 जून की दोपहर को घर से परिजनों को बिना बताए चली गई। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोरी के तलाश शुरू कर दी है।

चोरों ने घर में लगाई सेंध

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक 3 क्षेत्र के प्राइम सिटी में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से चोरों ने ज्वेलरी नगदी व मोबाइल फोन चोरी कर लिए। गृह स्वामी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्राइम सिटी 3 सादुल्लापुर में रहने वाले दीपक कुमार झा ने बताया कि 13 जून की रात्रि को वह उनकी पत्नी तथा बेटा कमरे में सोए हुए थे। सुबह के समय जब वह सो कर उठे तो उन्हें अलमारी का ताला टूटा हुआ मिला। अलमारी में रखे जेवरात 6000 तथा तीन मोबाइल फोन गायब थे। दीपक कुमार झा के मुताबिक अज्ञात चोरों ने उनके मकान का दरवाजा खोलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

यूपी के लाल शुभांशु...

मंगलवार सुबह हुआ। यह मिशन एक्सिओम स्पेस का हिस्सा है, जो एक निजी एयरोस्पेस कंपनी है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला के अंतिक्ष में उडान भरने का लाइव प्रसारण लखनऊ में शुभांशु के परिजनों ने एक स्कूल में देखा।

आज से पहले यह मिशन सात बार टाला जा चुका है। टलने की वजह लॉन्च व्हीकल में दिक्कतें और आईएसएस के ज़्वेज़्दा मॉड्यूल पर दबाव में बदलाव जैसी कई वजहें हैं। ज़्वेज़्दा में लीक का पता सबसे पहले 2019 में चला था और अंतरिक्ष एजेंसियां इसे ठीक करने के लिए कई साल से काम कर रही हैं। एक्सिओम-4 मिशन से पहले मरम्मत का काम किया गया था।

इस मिशन पर कमांडर पेगी व्हिटसन पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और अनुभवी कमांडर।, स्लावोश उज्नी पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री व तिबोर कपु हंगरी के अंतरिक्ष यात्री भी गये हैं। यह मिशन 40 साल बाद इन देशों के लिए पहला सरकारी अंतरिक्ष मिशन है। भारत के लिए यह खास है, क्योंकि शुभांशु पहला भारतीय होंगे जो आईएसएस पर जाएंगे।

रोड क्रॉस कर ही...

चचेरा भाई विकास अपने साथी प्रियांशु के साथ बाइक से सेक्टर 68 से सेक्टर 63 स्थित डिक्सन कंपनी की तरफ जा रहा था। जैसे ही दोनों हल्दीराम कंपनी के पास पहुंचे तो किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी चालकों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

आपातकाल में संसद ...

साथ मिलकर काम किया। उनका लक्ष्य था भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े। जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

पीएम ने लिखा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करेंगे।

आपातकाल की 50वीं बरसी...

ठाकुर उज्ज्वल सिंह, राजकुमार झा, अतुल त्यागी, रामकिशन यादव, प्रदीप कुमार, सहित कार्यक्रम के संयोजक एवं सह-संयोजकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य आपातकाल के समय लोकतंत्र पर किए गए कुठाराघात को नई पीढ़ी के समक्ष प्रस्तुत करना और उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों की अहमियत से परिचित कराना है। साथ ही यह कार्यक्रम लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागरिकों को प्रेरित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

भैंस नहलाने को लेकर...

इस दौरान अवनीत यादव ने उनकी पत्नी पर तलवार से वार कर उसे घायल कर दिया। शोर शराबा सुनकर वह और उनका बेटा बाहर आए। अवनीत व उसके साथियों ने उनके बेटे पर तलवार से हमला कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित के मुताबिक अवनीत यादव दबंग व्यक्ति है और आए दिन उसे परिवार सहित जान से मारने की धमकी देता है। अवनीत यादव जानबूझकर उसके घर के सामने अपनी भैंस बांध देता है और गंदे पानी को निकलने नहीं देता है। वहीं दूसरे पक्ष के शैलेश कुमार ने मनोज मिश्रा व उनके साथियों पर हमला कर घायल करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

दबंगों ने घर में...

का विरोध किया तो चारों आरोपियों ने लाठी डंडों से उसके पिटाई करने शुरू कर दी। शोर सुनकर वह तथा उनकी पत्नी छत से नीचे आए और किसी तरह से मुकेश को हमलावरों के चंगुल से बचाया। लोगों को इकट्ठा होता देखकर हमलावर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक आरोपी उसे तथा उसके परिवार से रंजिश मानते हैं। इसी कारण उन्होंने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सीसीटीवी कैमरा...

इस दौरान उनकी नजर दोनों आरोपियों पर पड़ गई। उन्होंने जब कैमरे तोड़ने का कारण पूछा तो आरोपी गाली गलौज करने लगे। शोर सुनकर पडोस के लोग मौके पर आये इसके बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने इस संबंध में एक सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

स्कूल के स्विमिंग पूल...

तैराकी का प्रशिक्षण देने के लिए टिंकू मोहित आशीष और यामिनी को नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा। हृदय नारायण गुप्ता के मुताबिक तरुण कुमार यामिनी टिंकू मोहित आशीष और उनके साथियों ने स्कूल के पत्ते का इस्तेमाल करके भावना स्विमिंग एकेडमी के नाम से फर्जी रसीद छपवाली और होर्डिंग लगाकर लोगों से तैराकी का प्रशिक्षण देने के नाम पर मोटी फीस वसूली।

स्कूल प्रबंधन के संज्ञान में मामला आने पर तरुण व उसके साथियों को स्विमिंग पूल से हटा दिया और उनके स्कूल परिसर में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया। ट्रेनिंग के नाम पर लोगों से लिए गए पैसे को स्कूल प्रशासन ने वापस कर दिया। हृदय नारायण गुप्ता के मुताबिक तरुण व उसके साथियों द्वारा स्कूल के छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। जिस विद्यालय की प्रतिष्ठा को भारी नुकसान हो रहा है। स्कूल के प्रतिनिधि की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

खास खबर

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ हाईवे पर दो गाड़ियों के बीच हुई टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और सात घायल हुए हैं। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। ये हादसा मंगलवार सुबह राजौरी-पुंछ हाईवे पर हुआ। बताया जा रहा है कि राजौरी से जम्मू जा रहे एक यात्री टेंपो की सामने से आ रही गाड़ी से टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी और घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायलों का इलाज जारी है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। जीएमसी राजौरी के चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार सुबह चिंगस में एक दुर्घटना हुई थी और हमारे पास लाए गए घायलों में से दो मरीज मृत अवस्था में थे। कुल मिलाकर सात घायलों को यहां भर्ती कराया गया है। इलाज किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के घानी मेंढर इलाके में 6 मई को भी एक भीषण सड़क हादसा हुआ था। एक पैसेंजर बस अनियंत्रित होकर सांगरा के पास मानकोट क्षेत्र में गहरी खाई में जा गिरी थी। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 40 गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

घर में सो रहे बुजुर्ग पर तेंदुए ने किया हमला

बहराइच । उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में तेंदुए के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुजौली रेंज में स्थित ग्राम पंचायत रमपुरवा में घर के बरामदे में सो रहे एक बुजुर्ग पर तेंदुए ने हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर जागे परिजनों के शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया, जिससे बुजुर्ग की जान बच गई। घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पांच दिन पहले भी चहलवा गांव में खेत में काम कर रहे एक ग्रामीण पर तेंदुए ने हमला कर दिया था। साथ में मौजूद ग्रामीणों के शोर मचाने पर उसकी जान बच सकी थी। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घायल को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

रेगुलर पुलिस करेगी लापता युवती की खोज

पौड़ी गढ़वाल। तहसील पौड़ी के विकास खंड कल्जीखाल स्थित असगढ़ गांव की युवती के लापता होने के मामले की जांच अब नियमित पुलिस करेगी। डीएम पौड़ी के आदेश पर प्रकरण राजस्व पुलिस से नियमित पुलिस को हस्तांतरित हो गया है। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने प्रकरण की जांच कोतवाली पौड़ी पुलिस को सौंप आवश्यक निर्देश दे दिए हैं। तहसील पौड़ी के विकास खंड कल्जीखाल स्थित असगढ़ निवासी विजयपाल ने बीते 14 जून को राजस्व पुलिस को एक तहरीर सौंपी थी। तहरीर में ग्रामीण ने बताया था कि उनकी 22 वर्षीय बेटी बीते गांव के समीप जंगल में बकरी चुगाने गई थी। वह अक्सर दोपहर तक घर लौट आती थी लेकिन आज वह शाम तक घर नहीं लौटी। उसकी हर संभावित स्थल पर तलाश की गई। उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चल पाया है।

गाय के बछड़े को बचाने कुएं में उतरे 6 लोग, दम घुटने से 5 की मौत

एजेंसी

गुना । जिले के धरनावदा कस्बे में मंगलवार को एक बेहद दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। एक गाय के बछड़े को बचाने के लिए कुएं में उतरे 6 लोगों में से 5 की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि एक युवक को ग्रामीणों ने किसी तरह बाहर निकालकर उसकी जान बचा ली। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं, जिससे पूरे गांव में मातम का माहौल छा गया है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे धरनावदा के पास एक आम के बाग

में बने पुराने कुएं में हुआ। सुबह ठेकेदार के लोग आम तोड़ने पहुंचे थे, उसी समय एक गाय का बछड़ा वहां आ गया जिसे भगाने पर वह कुएं में जा गिरा। इसे देखकर गांव का युवक मन्नू कुशवाह सबसे पहले बछड़े को निकालने कुएं में उतरा, लेकिन अंदर जाते ही उसने दम घुटने की शिकायत की और बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सोनू कुशवाह, फिर पवन कुशवाह, गुरुद्वारा ओझा, शिवचरण साहू और अंत में सिद्धार्थ सहरिया भी कुएं में उतरते गए, लेकिन सभी को अंदर जाकर सांस लेने में तकलीफ हुई और एक-एक कर सब बेहोश हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल रस्सियों और खटिया की मदद से रेस्क्यू शुरू किया और किसी तरह पवन कुशवाह को कुएं से जिंदा बाहर निकाल लिया गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। लेकिन सोनू कुशवाह, मन्नू कुशवाह, सिद्धार्थ सहरिया, गुरुद्वारा ओझा और शिवचरण साहू को नहीं बचाया जा सका। अब तक की पुष्टि में इन पांचों की मौत हो चुकी है। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, गैल की सीआईएसएफ यूनिट, एसडीईआरएफ और पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन जिंदा जले

एजेंसी

बालाघाट । बालाघाट के लांजी थाना क्षेत्र में मंगलवार को बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से तीन लोग जिंदा जल गए। तीनों मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और बाइक से देवलगांव के दुर्गा मंदिर जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बिजली कंपनी का अमला और लांजी विधायक राजकुमार करार्हे मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए लांजी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है। मंगलवार सुबह करीब 8.30 ग्राम सर्रा निवासी सेवक पुत्र प्यारेलाल पांचे (30 वर्ष) अपनी पत्नी रेणुका पांचे (28 वर्ष) और भतीजा भोजराज पुत्र यादोराव पांचे (28 वर्ष) तीनों एक बाइक में सवार होकर अपने गांव से ग्राम देवलगांव मंदिर में पूजन-अर्चन करने जा रहे थे। इस दौरान नेवरवाही और सर्रा सड़क मार्ग पर जंगल के बीच में पहुंचे ही थे कि सड़क किनारे पेड़ की एक शाखा 11 केवी लाइन के तार गिरने से झूल रही थी। बिजली का झूलता हुआ तार बाइक के हैंडल में फंसने से हादसा हुआ और आग लग गई। इस दौरान तीनों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। घटनास्थल पर लोग जब तक लोग पहुंचते तब तक तीनों जल चुके थे। घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने हाईटेंशन लाइन का तार दिखाते हुए नाराजगी जताई। हादसे की जानकारी मिलने पर लांजी थाना पुलिस, विद्युत विभाग का अमला के अलावा लांजी विधायक राजकुमार करार्हे मौके पर पहुंचे। तीनों के शव ले जाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली लाया गया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

उत्तराखंड में भूस्खलन से तीन की मौत, राहत व बचाव कार्य जारी

- केदारनाथ में नाले उफान पर, यूपी में बारिश ने तोड़ा 50 साल का रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून मंगलवार को हरियाणा में प्रवेश कर गया। इसके साथ ही दिल्ली को छोड़कर मानसून हर राज्य में पहुंच चुका है। तय तारीख से 8 दिन पहले मानसून ने केरल में दस्तक दी थी। दिल्ली में सामान्य तौर पर 30 जून तक मानसून पहुंचता है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और यूपी के कुछ जिलों में मानसून की एंट्री होना है। आमतौर पर मानसून 8 जुलाई तक पश्चिमी राजस्थान के पोखरण में पहुंचता है। यूपी में जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। 1971 से 2020 के बीच हुई औसत बारिश के मुकाबले इस साल 25 फीसदी ज्यादा बरसात हो

चुकी है। इस साल राज्य में 1 जून से 23 जून के बीच 66.9 मिमी औसत बारिश हुई, जबकि अनुमान 53.7 मिमी का था। उत्तराखंड में मानसून के साथ ही आपदाओं का दौर भी शुरू हो गया। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची बैंड के पास भूस्खलन हुआ, इसमें करीब आधा दर्जन यात्री दब गए। मलबे से 2 शव निकाले गए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। बद्रीनाथ से लौट रहे हरियाणा के श्रद्धालु की कार पर पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर गिर जाने से महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बरसाती नाले में उफान से भारी मात्रा में मलबा दुकानों में घुस गया जिससे करीब आधा दर्जन दुकानों को नुकसान पहुंचा है। गुजरात के दक्षिण गुजरात में पिछले दो दिनों से जमकर बारिश हो रही है। सोमवार को सूरत जिले में पिछले 24 घंटे में 10 इंच बारिश दर्ज हुई थी। सूरत शहर में भी सोमवार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक 7 इंच बारिश हुई। इससे सूरत में कई जगह बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। मंगलवार सुबह से भी शहर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। सूरत का कॉजवे ओवरफ्लो होने के चलते यातायात के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। सूरत जिले के बारडोली के कई इलाकों में घुटनों तक पानी भरा है। ऐसा ही हाल खंभात में है। यहां सोमवार देर रात से शुरू हुई भारी बारिश से सड़कें डूब गई हैं।

25 जून को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। गुजरात में कोंकण-गोवा में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

पुंछ में सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान शुरू

जम्मू । जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में सुरक्षा बलों ने करीब 12 स्थानों पर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर पुलिस के विशेष अभियान समूह, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और राष्ट्रीय राइफल्स ने सुबह छह बजे से सुरनकोट और मेंढर में संयुक्त रूप से तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान सुरनकोट के सरी, उस्तन, पठानखोर, लोहार मोहल्ला, चांदीमढ़, फागल, हरि टॉप और मेंढर के उचाद एवं कल्लर-गुरसाई में जारी है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने अनंतनाग जिले से आतंकवादियों के एक मददगार को गिरफ्तार किया। सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बुरहान अमीन मलिक को गिरफ्तार किया।

स्थानीय नागरिकों और केन्याई रक्षा बलों के साथ संजय सेठ ने किया योगाभ्यास

एजेंसी

नई दिल्ली । केन्या के तैत-टवेटा काउंटी में स्थानीय नागरिकों और केन्याई रक्षा बलों के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने योगाभ्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर बढ़ते भारत के मान की झलक दुनिया भर में देखने को मिल रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी के मार्गदर्शन में रक्षा क्षेत्र ने कई देशों के साथ अपने संबंध प्रगाढ़ किए हैं। योग के माध्यम से आज पूरी दुनिया जुड़ रही है। भारत की यह विधा दुनिया की एकजुटता को मजबूत बना रही है।

वार्ड नंबर 2 के मुख्य संपर्क मार्ग का अधूरा कार्य हुआ पूरा

नूरपुर । वार्ड नंबर 2 कोट पहाड़ी के मुख्य संपर्क मार्ग का अधूरा कार्य आखिर डीसी कांगड़ा श्री हेमराज बैरवा के निदेर्शों के बाद पूरा हुआ, यह लगभग 100 मी का निर्माण कार्य पिछले 5 साल से अधूरा था, गांव के बूढ़े बच्चों को इस सड़क से जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, वार्ड के लोग के इस निर्माण के लिए 5 साल से लगातार निवेदन कर रहे थे लेकिन उन्हें प्रशासन की तरफ टरकाया जा रहा था, भोलेभाले ग्रामीणों को जब इसका और कोई रास्ता नजर नहीं आया तो उन्होंने इसका निवेदन सीधे डीसी कांगड़ा श्री हेमराज बैरवा से किया उन्होंने तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए इस सड़क निर्माण को पूरा करवाया, बरसात से ठीक पहले सड़क बन जाने से वार्ड के लोग काफी खुश नजर आ रहे हैं और डीसी कांगड़ा श्री हेमराज बैरवा का दिल से धन्यवाद कर रहे है, डीसी कांगड़ा श्री हेमराज बैरवा ऐसे ही आम जनता की समस्याओं का निपटारा करते हैं इसलिए आम जनता में काफी लोकप्रिय है।

लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में 11 यात्री हुए बीमार

मुंबई। लगता है कि एविएशन कंपनियों की ग्रहदशा ठीक नहीं चल रही है। आए दिन कुछ न कुछ चुनौतिया आ रहीं हैं। यात्री भी डरे हुए और कई लोगों ने हवाई सफर को होल्ड कर दिया है। लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में अचानक 5 यात्री और 2 चालक दल के सदस्य समेत 11 लोग बीमार पड़ गए, जिससे विमान के अंदर हड़कंप मच गया। सभी ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। यह घटना सोमवार को तब सामने आई जब विमान के विभिन्न चरणों में यात्रियों और क्रू मेंबरों ने चक्कर आने और मतली की शिकायत की। एयर इंडिया ने बताया कि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और सभी बीमार यात्रियों को मेडिकल जांच के लिए तुरंत मेडिकल रूम में ले जाया गया।

शादी के बाद महिलाओं की निजी जिंदगी खत्म नहीं होती: मद्रास हाईकोर्ट

एजेंसी

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि शादी के बाद महिलाओं की निजी जिंदगी खत्म नहीं होती है और उन्हें पासपोर्ट बनवाने जैसे कामों के लिए पति की इजाजत की जरुरत नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा है कि महिला के पास अपने पति की इजाजत या साइन के बिना पासपोर्ट के लिए आवेदन करने का पूरा अधिकार है। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश ने कहा कि पासपोर्ट के लिए आवेदन करने के लिए भी पति की इजाजत, महिलाओं की आजादी में बाधा है और यह पितृसत्तात्मक समाज की निशानी है। चेन्नई कोर्ट जे रेवती नाम की एक महिला की

याचिका पर सुनवाई कर रहा था। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) ने महिला का पासपोर्ट आवेदन इस आधार पर स्थगित किया था कि उसके पति ने आवेदन पत्र (फॉर्म-जे) पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। जानकारी के मुताबिक रेवती ने 2023 में मोहनकृष्णन नाम में एक शख्स से शादी की थी। दोनों के बीच हुए विवाद के बाद पति ने तलाक के लिए आवेदन किया था, इस पर फैसला लॉबित है। इस बीच रेवती ने अप्रैल में पासपोर्ट के लिए आवेदन किया, लेकिन पासपोर्ट कार्यालय ने पति के हस्ताक्षर के बिना उसके आवेदन को मंजूर करने से इंकार किया। इसके बाद महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान का रहने वाला राजकुमार ने बताया कि वह 16 चक्कों का ट्रक चलाता है। 21 जून की रात वह ट्रक में ग्रेनाइट पत्थर लोड कराया और मेरठ के गंगनहर के लिए निकला। रात 11 बजे वह ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर बड़गांव के पास पहुंचा तो गूगल मैप से उसे नीचे उतरने का संकेत मिला। राजकुमार ने कहा कि वह गूगल मैप के बताए रास्ते को फॉलो कर आगे बढ़ गया। इसी बीच सैदपुर गांव से करीब 500 मीटर पहले सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई। उसने सड़क से निकलने के लिए मोड़ पर स्टीयरिंग घुमाया तो गाड़ी पलट गई। बता दें पिछले दिनों एक कार के क्षतिग्रस्त पुल से गिरने का मामला सामने आया था।

रूस से व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ यूएस ने पेश किया बिल

एजेसी

वाशिंगटन। अमेरिका के प्रभावशाली रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने रूस से व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ सख्त प्रतिबंधों वाला नया बिल पेश किया है, जिसका सीधा असर भारत पर पड़ सकता है। अमेरिकी सांसद ग्राहम ने एक इंटरव्यू में कहा, मेरे पास रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल के लिए 84 सीनेटरों का समर्थन है। यह बिल रूस, चीन और भारत के लिए एक आर्थिक बंकर बस्टर साबित होगा। सैंक्शनिंग रूस एक्ट 2025 को इस साल अप्रैल में अमेरिकी सीनेट में पेश किया गया था। यह कानून उन देशों पर भारी अमेरिकी टैरिफ (कर) लगाने की सिफारिश करता है, जो रूसी मूल के तेल, गैस, यूरेनियम और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करते हैं। साथ ही, यह रूस की कंपनियों, सरकारी संस्थाओं और प्रमुख नीति निर्धारकों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने की भी मांग करता है। भारत की रूस के साथ आर्थिक और सामरिक साझेदारी एक बार फिर वैश्विक सुर्खियों में है। इस विधेयक का उद्देश्य रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए आर्थिक दबाव डालना है, लेकिन इसके दायरे में भारत जैसे देश भी आ रहे हैं, जो रूस से तेल और अन्य संसाधनों का आयात करते हैं। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी सीनेट में प्रस्तावित सैंक्शनिंग रूस एक्ट 2025 भारत के लिए गंभीर आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियां खड़ी कर सकता है। भारत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा, अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी और रूस के साथ पारंपरिक संबंधों के बीच संतुलन साधना होगा। आने वाले हफ्तों में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अमेरिका इस बिल को पारित करता है और भारत इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है।

सड़क पर फंसा ट्रक पलटा, लाखों का नुकसान

बागपत। गूगल मैप के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं इसमें कई लोगों को नुकसान भी उठाना पड़ा रहा है वह कभी रास्ता भटक जाते हैं तो कहीं हादसे का शिकार हो रहे हैं ऐसा ही एक मामला यूपी के बागपत से सामने आया। यहां पतली सड़क पर भारी ट्रक निकालने से पलट गया। इस हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया। ट्रक चालक का कहना है कि वह गूगल मैप के भरोसे ट्रक चला रहा था। इसी दौरान उसकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। ट्रक चालक राजस्थान के किशनगढ़ से करीब चार लाख रुपए का ग्रेनाइट पत्थर लेकर मेरठ जा रहा था।जानकारी के मुताबिक मेरठ के गंगनहर जाने के दौरान बागपत में उसकी गाड़ी गूगल मैप को फॉलो करते हुए संकड़ी सड़क में फंस गई।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना जरूरी: धामी

एजेंसी

वाराणसी। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक यहां मंगलवार को नदेसर स्थित एक होटल में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का आग्रह किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी भाग लिया। बैठक में भाग लेने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सोशल

मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि बैठक के दौरान उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सीमा सड़क संगठन के माध्यम से अधिक सहयोग का आग्रह किया है। साथ ही वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत सीमांत गांवों में सुविधाओं के विकास, भारत नेट और सैटेलाइट संचार सेवाओं के शीघ्र विस्तार पर उन्होंने अपने विचार रखे। धामी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अनुदान प्रक्रिया को सरल बनाने, 1989 की दूरस्थ घाटी अधिसूचना को निरस्त करने और मानसून के दौरान उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, अतिवृष्टि व बादल फटने जैसी आपदाओं से सड़कों को होने वाली क्षति के दृष्टिगत प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के सुचारू संचालन के लिए राज्य को अतिरिक्त सहयोग देने की आवश्यकता पर सुझाव दिया।

ईरान की धमकी से दुनिया की तेल आपूर्ति पर मंडराया खतरा

एजेंसी

तेहरान। दुनिया की कुल तेल आपूर्ति में से हर पांचवां टैंकर एक बेहद संकरे जलमार्ग–होर्मुज स्ट्रेट–से होकर गुजरता है। लेकिन अब इस अहम समुद्री रूट पर खतरा मंडरा रहा है। ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद इसे बंद करने की धमकी दी है। यह कदम अगर उठाया गया, तो वैश्विक तेल बाजार से लेकर एशियाई देशों के पेट्रोल पंप तक अफरा-तफरी मच सकती है।

होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला 167 किमी लंबा और सबसे संकरा 33 किमी चौड़ा जलमार्ग है। इसके उत्तर में ईरान, और दक्षिण में ओमान तथा यूएई

- ईरान ने दिया तेल-मार्ग बंद करने का संकेत
- भारत-चीन पर बड़ा असर संभव

स्थित हैं। यही वह रास्ता है जिससे खाड़ी देशों का लगभग सारा कच्चा तेल दुनिया भर में सप्लाई होता है। अमेरिकी एजेंसी ईआईए के अनुसार, दुनिया के कुल तेल का 20% इसी रास्ते से गुजरता है। हर दिन करीब 1.78 से 2.08 करोड़ बैरल तेल इस मार्ग से आता-जाता है। इसका 82% हिस्सा एशियाई देशों में जाता है, जिसमें भारत और चीन सबसे प्रमुख आयातक

हैं। 13 जून को इजराइल की कार्रवाई और 22 जून को अमेरिकी हमलों के बाद ईरानी संसद ने होर्मुज को बंद करने की मंजूरी दी। ईरान इसे दबाव बनाने की रणनीति और रोकथाम की नीति के तहत देख रहा है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान के पास कई विकल्प हैं, हालांकि अंतिम फैसला नेतृत्व करेगा। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल कीमतों में जबरदस्त उछाल आएगा। अमेरिका से लेकर एशिया तक बिजलीघरों को ईंधन संकट होगा। गैस स्टेशन और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग सकती हैं। भारत और चीन जैसे देशों को वैकल्पिक सप्लायर खोजने होंगे।

भारत का एक बड़ा हिस्सा इराक, सऊदी अरब और यूएई से आयातित तेल पर निर्भर है। होर्मुज बंद होने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई में बाधा आ सकती है। हालांकि भारत रूस, अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों से भी कच्चा तेल आयात करता है ईरान के दो मुख्य विकल्प के जरिये होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर सकता है।

पहला सिर्फ 3 किमी की शिपिंग लेन में सी-माइन्स लगाकर शिप्स की आवाजाही रोकी जा सकती है। और दूसरा आईआरजीसी के जरिए मिसाइल, ड्रोन या नावों से जहाजों पर सीधे हमले किए जा सकते हैं।

ईरान से चीन को निर्यात होने वाले 90% तेल की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से ही होती है। यह मार्ग बंद हुआ तो चीन की इंडस्ट्री पर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने चीन से अपील की है कि वह ईरान को इस कदम से रोके। होर्मुज स्ट्रेट का बंद होना न केवल खाड़ी देशों, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा संतुलन को हिला सकता है। ईरान का यह कदम आर्थिक आत्महत्या जैसा हो सकता है, पर इसका असर भारत, चीन, अमेरिका और यूरोप सभी पर होगा। अब सबकी नजरें ईरान की अगली चाल और वैश्विक कूटनीतिक प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

रूस और ईरान के बीच पुराने, मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते : पुतिन

एजेंसी

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि ईरान के खिलाफ की गई सैन्य आक्रामकता का कोई आधार या औचित्य नहीं है। यह टिप्पणी उन्होंने रूस दौरे पर आए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ बैठक में कही। पुतिन ने अराघची से कहा कि आपकी रूस यात्रा एक कठिन समय में हो रही है, जब आपके देश और पूरे क्षेत्र में गंभीर तनाव फैला है। हमारी स्थिति स्पष्ट है, जिसे रूस के विदेश मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बार-बार दोहराया गया है। पुतिन ने कहा कि रूस और ईरान के बीच पुराने, मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते हैं और रूस ईरानी जनता का समर्थन करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध रणनीतिक प्रकृति के हैं, जो पिछले कुछ सालों में और मजबूत हुए हैं, विशेष रूप से ईरान के नागरिक परमाणु कार्यक्रम से संबंधित क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है। रूस के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा था कि किसी भी तर्क के बावजूद एक संप्रभु देश की जमीन पर मिसाइल हमले और बमबारी करना अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

जानें क्या है मयूरासन और इसके लाभ

मयूरासन यानी मयूर की तरह किया जाने वाला आसन। योगा में यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है। इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है। मयूरासन के भी कई लाभ हैं। लेकिन सवाल ये उठता है कि मयूरासन कैसे किया जाए। मयूरासन के लाभ क्या हैं। मयूरासन करने की विधि क्या है। मयूरासन कब करना चाहिए। इत्यादि सवालों के जवाब जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि मयूर आसन क्या है।

मयूरासन करने की विधि

मयूरासन खुली हवादार जगह में करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और आगे की ओर झुकें। आगे झुकते हुए दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर नाभि पर लगाकर जमीन पर सटा लें। इसके बाद अपना संतुलन बनाते हुए घुटनों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें। अब आपका शरीर पूरी सीध में है और सिर्फ आपके हाथ जमीन से सटे हुए हैं। इस आसन को करने के लिए शरीर का संतुलन बनाए रखना जरूरी है जो कि पहली बार में संभव नहीं। यदि आप रोजाना मयूर आसन का अभ्यास करेंगे तो आप निश्चित तौर पर आसानी से इसे कर पाएंगे।

मयूरासन के दौरान सावधानी

मयूरासन करते हुए बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है, इसीलिए आप जब भी मयूरासन करें तो किसी योग एक्सपर्ट की देखरेख में करें या फिर पहले इस आसन को करने की विधि को अच्छी तरह से जानें। तभी आप मयूर आसन को सही तरह से कर पाएंगे और इसका भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

मयूरासन के लाभ

- मयूरासन के कई लाभ है। आमतौर पर मयूरासन से गुर्दे, अग्नाशय और आमाशय के साथ ही यकृत इत्यादि को बहुत लाभ होता है।
- चेहरे पर चमक लाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। मयूरासन करने से हाथ, पैर व कंधे की मांसपेशियों में मजबूती आती है। जिन लोगों को बहुत अधिक कब्ज रहती है उनके लिए मयूरासन से बढ़िया कोई उपाय नहीं। मधुमेह के रोगियों के लिए भी यह आसन लाभकारी है।
- यदि आपको आंखों संबंधी कोई समस्या है तो उसका निदान भी मयूरासन से किया जा सकता है।
- पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। यदि आपको पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस बनना, पेट में दर्द रहना, पेट साफ ना होना इत्यादि होता है तो आपको मयूरासन करना चाहिए।
- सामान्य रोगों के अलावा मयूर आसन से आंतों व अन्य अंगों को मजबूती मिलती है। मयूरासन से आमाशय और मूत्राशय के दोषों से मुक्ति मिलती है।

किसे नहीं करना चाहिए

- आमतौर पर मयूरासन उन लोगों को करने के लिए मना किया जाता है जो उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं।
- टी.बी यानी तपेदिक के मरीजों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए।
- हृदय रोग या हार्ट की बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए। अल्सर और हर्निया रोग से पीड़ित लोगों को भी मयूरासन करने से बचना चाहिए।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां, लेकिन फिर भी कम निकले... आज युवाओं की कई ख्वाहिशें हैं। खासतौर पर युवा आजादी चाहता है। आज के दौर में युवाओं की सोच में क्रांति और आजादी की बातें उभरकर सामने आ रही हैं। आखिर देश का युवा किन बातों से आजादी चाहता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

हर ख्वाहिश पर दम निकले...

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सात महीने में तीसरी बार भारत की विजिट पर आए हैं। वे सोमवार को दिल्ली में माइक्रोसॉफ्ट के इवेंट में ऐड्रेस करने पहुंचे। गालिब के शेर से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया को देखने का नजरिया बदल लेते हैं, तो आप दुनिया को भी बदल पाते हैं। एक वाकये का जिक्र करते हुए सत्या ने गालिब का शेर पढ़ा-**हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां मगर फिर भी कम निकले।** उनके इस अंदाज पर काफी देर तक हाल तालियों से गूंजता रहा। उन्होंने गालिब का यह शेर जिस भी संदर्भ में सुनाया हो लेकिन यह शेर आज के दौर में देश के युवाओं के लिए कुछ खास है। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी बसती है। इस देश में करीब 30.56 करोड़ युवा बसते तो हैं लेकिन शायद बहुत कम युवाओं की ख्वाहिशें पूरी हो पाती हैं। यहां हम युवाओं की व्यक्तिगत ख्वाहिशों की बात नहीं कर रहे। यहां युवाओं की समग्र ख्वाहिशें हैं। आज देश का युवा आजादी चाहता है। यही उसकी ख्वाहिश है। आइए देखते हैं किन मुद्दों से भारतीय युवा को आजादी चाहिए...

जबरन करियर से आजादी

देश के ज्यादातर युवा इस मुश्किल से जूझ रहे हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचते ही उन पर करियर को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी जाती है और आखिर में उन पर जबरन कुछ भी थोप दिया जाता है। ज्यादातर मां-बाप बच्चे की ख्वाहिश पूछे बिना ही उसे इंजीनियर या डॉक्टर बनने के लिए मजबूर करते हैं।

ऑनर किलिंग से आजादी

देश के कई हिस्सों में खाप जैसी पंचायतों के तुगलकी फरमान युवाओं की इच्छा के आड़े आते हैं। खास तौर पर हरियाणा में खाप का असर ज्यादा है। जहां जरा सी बात पर लोग आत्म सम्मान के नाम पर युवक-युवतियों को मार देते हैं। कई मामलों में लड़के लड़की दोनों की हत्या कर दी कई। समलैंगिकता, प्रेम विवाह, अपनी मर्जी से लड़का या लड़की चुनना ये सारी बातें खाप के नियमों के खिलाफ मानी जाती हैं, जिनसे मुक्ति जरूरी है। यही नहीं, पुलिस भी ऐसे कामों में तुगलकी फरमान सुनाती है।

लिंग भेद से आजादी

लिंग भेद से आजादी ऐसी आजादी है जिसके लिए हर लड़की जन्म लेने के साथ ही लड़ना शुरू कर देती है। घर में ज्यादा तवज्जो न मिलने से लेकर अपनी मर्जी के कपड़े न पहन पाने तक, लड़कियों को कई सारी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। यहां तक कि शादी करने में भी उनकी पसंद का ख्याल नहीं रखा जाता।

अपने नजरिये की आजादी

लोकतंत्र में रहने के चलते हर किसी को अपना नजरिया रखने की आजादी होनी चाहिए लेकिन भारत ऐसा देश है जहां अपनी बात रखना आपके लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया ने इस वॉर को और बढ़ाया है। भीड़ से अलग हटकर अगर आप अपना नजरिया पेश करते हैं तो किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसके समर्थकों के शिकार बन जाते हैं।

सुरक्षा की चिंता से आजादी

हर मां-बाप अपने बच्चे को सुरक्षित देखना चाहते हैं लेकिन वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि घर की चारदीवारी में कैद करके बच्चों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। खासकर लड़कियों के मामले में परिजन ज्यादा सख्त होते हैं। उनके घर से निकलने और घर लौटने के समय को लेकर वो ज्यादा चिंतित होते हैं क्योंकि उन्हें उत्पीड़न, अपहरण या हत्या जैसी वारदातों का डर सताता रहता है।

इस्तेमाल होने से आजादी

हर युवा अपने उज्ज्वल जीवन की ख्वाहिश रखता है। युवा जब देखता है कि केवल योग्यता और ईमानदारी से कार्य संभव नहीं, तो कुंठाग्रस्त होकर गलत रास्तों पर चल पड़ता है। निश्चित तौर पर ऐसे में ही समाज के दुश्मन उनकी भावनाओं को भड़काकर व्यवस्था के विरूद्ध विद्रोह के लिए प्रेरित करते हैं, फलतः अपराध और आतंकवाद का जन्म होता है। युवाओं को मताधिकार तो दे दिया गया है पर उच्च पदों पर पहुंचने और निर्णय लेने के उनके स्वप्न को दमित करके उनका इस्तेमाल नेताओं द्वारा सिर्फ अपने स्वार्थ में किया जा रहा है।

सब्ज-बाग से आजादी

आज का युवा संक्रमण काल से गुजर रहा है। वह अपने बलबूते आगे तो बढ़ना चाहता है, पर परिस्थितियां और समाज उसका साथ नहीं देते। चाहे वह राजनीति हो, फिल्म व मीडिया जगत हो, शिक्षा हो, उच्च नेतृत्व हो- हर किसी ने उसे सुखद जीवन के सब्ज-बाग दिखाए और फिर उसको भंवर में छोड़ दिया। ऐसे में पीढ़ियों के बीच जनरेशन गैप भी बढ़ा है। समाज की कथनी-करनी में भी जमीन आसमान का अंतर है। एक तरफ वह सभी को डिग्रीधारी देखना चाहता है, पर उन सभी हेतु रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाता। नतीजन- निर्धनता, महंगाई, भ्रष्टाचार इन सभी की मार सबसे पहले युवाओं पर पड़ती है। इसी प्रकार व्यावहारिक जगत में आरक्षण, भ्रष्टाचार, स्वार्थ, भाई-भतीजावाद और कुर्सी की लालसा जैसी चीजों ने युवा हृदय को झकझोर दिया है।

दोहरेपन से आजादी

इसमें कोई शक नहीं कि युवा वर्ग ही भावी राष्ट्र की आधारशिला रखता है, पर दुःख तब होता है जब समाज युवाओं में भटकाव हेतु युवाओं को ही दोषी ठहराता है। क्या समाज की युवाओं के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं? जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति जब सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का सरेआम क्षरण करते नजर आते हैं, तो फिर युवाओं को ही दोष क्यों? एक व्यक्ति द्वारा अटपटे बयान देकर या किसी युवती द्वारा अर्धनग्न पोज देकर जो नाम हासिल किया जा सकता है, वह दूर किसी गांव में समाज सेवा कर रहे युवा को तभी मिलता है जब उसे किसी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जाता है। आखिर ये दोहरापन क्यों?

दोषारोपण से आजादी

युवा व्यवहार मूलतः एक शैक्षणिक, सामाजिक, संरचनात्मक और मूल्यपरक समस्या है जिसके लिए राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सभी कारक जिम्मेदार हैं। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों को भी जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए, सिफ4 युवाओं को दोष देने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि सवाल सिर्फ युवा शक्ति के भटकाव का नहीं है, वरन अपनी संस्कृति, सभ्यता, मूल्यों, कला एवम् ज्ञान की परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का भी है। युवाओं को भी ध्यान देना होगा कि कहीं उनका उपयोग सिर्फ मोहरों के रूप में न किया जाय।

आधा घंटा बंद रखें स्मार्टफोन...

आज के दौर में स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गया है। सभी युवाओं के पास स्मार्टफोन मौजूद हैं। इसके कई फायदे भी हैं। स्मार्टफोन से न सिर्फ हमें जरूरी जानकारियां मिल जाती हैं, बल्कि यह मित्रों को भी हमारे साथ जोड़े रखने का काम करता है। स्मार्ट फोन की कई खूबियों के बारे में तो हम जानते भी नहीं हैं। वहीं इस स्मार्ट फोन के कुछ नुकसान भी हैं। स्मार्टफोन के जानकारों का कहना है कि अगर स्मार्ट फोन को दिन में आधे घंटे भी बंद रखा जाए तो इससे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं फायदों के बारे में बता रहे हैं।

दिमाग को मिलेगा रेस्ट

दिमाग असल में कई कामों को करने में व्यस्त रहता है। इन कामों को करने में वह तेजी से थकता है। ऐसे में आप अपना स्मार्ट फोन करीब आधा घंटा बंद रख सकते हैं। इससे आपके दिमाग को भी रेस्ट मिलेगा और वह भी तेजी से काम कर सकेगा।

ओवरहीटिंग से बचेगा

कई बार हमारा स्मार्ट फोन ओवरहीट हो जाता है। इसके हीट होने के वैसे तो और भी कई कारण हो सकते हैं। आपका फोन जब भी ओवरहीट हो जाए ऐसी स्थिति में आपको इसे कुछ देर के लिए बंद कर देना चाहिए। यही आपके पास पहला विकल्प है। इसके बाद इसकी समस्या को कहीं पर दिखा लीजिए।

समाधान जल्दी

हर समय फोन से चिपके रहने से दिमाग कई तरह की समस्या का समाधान सही तरीके से नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में फोन से थोड़े समय की दूरी बनाना आपके लिए हर समस्या का हल ढूंढने के लिए बेहतर हो सकता है। ब्रेन को आराम मिलने से यह सही ढंग से काम करने के काबिल हो जाता है।

काम में लगता है मन

एक रिसर्च में पाया गया है कि करीब 61 प्रतिशत लोग हर समय नोटिफिकेशन देखते रहते हैं। नोटिफिकेशन न आने की स्थिति में भी लोगों को लगता है कि कोई नोटिफिकेशन आया है। ऐसे में वह व्यक्ति अपने काम पर फोकस नहीं कर पाता। स्मार्ट फोन को बंद करने से काम पर फोकस हो पाता है और वह अच्छी तरह से किया जाता है।

रीबूट करने का फायदा

स्मार्टफोन कई बार हैंग होने लगता है। कई सारी ऐप्स बैकग्राउंड पर चलने से और मैमोरी ज्यादा यूज होने के कारण फोन हैंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में आप अपना फोन रीबूट कर सकते हैं। रीबूट करने से फोन दोबारा से सही चलने लगता है।

दाढ़ी मूंछ के भी हैं ढेरों फायदे

आप विश्वास नहीं करेंगे लेकिन वैज्ञानिक तक मान चुके हैं कि दाढ़ी रखने से त्वचा का कैंसर नहीं होता। दरअसल सूर्य की अल्ट्रावाइलेट किरणें स्किन कैंसर का कारण बनती है। शोध के मुताबिक लोग दाढ़ी रखते हैं वे 90 फीसदी तक यूवी किरणों से अपने आपको बचाने में कामयाब रहते हैं। है ना स्किन कैंसर से बचने का बढ़िया उपाय। क्लीन शेव लोगों की तुलना में दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोगों को अस्थमा और एलर्जी की शिकायत कम होती है। दरअसल प्रदूषित होते वातावरण में दाढ़ी मूंछ धूल और प्रदूषण को सीधे चेहरे और मुंह के संपर्क में नहीं आने देती। दाढ़ी और मूंछ के बाल छलनी की तरह काम करके प्रदुषित कणों को रोक लेते हैं। ये ठीक वही काम करती है जो आंखों के लिए पलक और नाक के बाल करते हैं। दाढ़ी मूंछ रखने वालों की स्किन आमतौर पर ड्राई नहीं मिलेगी। दरअसल दाढ़ी मूंछ होने से चेहरे पर रोजमर्रा की फेसक्रीम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। दाढ़ी मूंछ चेहरे को जवान बनाए रखते हैं क्योंकि इससे त्वचा पर नमी बनी रहती है। दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोग चेहरे से आमतौर पर जवान दिखते हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी मूंछ उनके चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों को छिपा लेती हैं। रोज रोज शेव करने से स्किन कटने फटने का डर रहता है और त्वचा पर संक्रमण का भी खतरा रहता है लेकिन दाढ़ी मूंछ रखने से ये झंझट और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता।

ऑनलाइन रहना क्यों पसंद...?

इंटरनेट के माध्यम से अब दुनिया के किसी भी भाग से आसनी से संपर्क बनाया जा सकता है। लोग अब घर बैठे ही दुनियाभर में अपने दोस्त बनाने लगे हैं, और ऑनलाइन रहकर ही प्यार ,डेटिंग, और शादी के लिए जोड़े भी खोजे जाने लगे हैं। ऑनलाइन दोस्ती के बहुत से नुकसान भी होते हैं, जैसे आप जिससे दोस्ती कर रहें हैं वह वास्तव में अपने बारे में सारी बातें सच बता रहा है, या आपको धोखा देने के मकसद से झूठी बातें बता रहा है। आप उसे सामने से नहीं देख सकते इसलिए आप उसकी वास्तविकता भी नही जान सकते हैं। ऑनलाइन चैटिंग से होने वाले इन नुकसानों के बावजूद क्यों हम इसका इस्तेमाल करना जारी रखते हैं?

गुप्त नाम का फायदा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है नाम को गुप्त रखने की आजादी। आप किसी भी नाम और किसी भी फोटो के साथ अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, कम्प्यूटर यह नहीं समझ पायेगा कि, आप झूठ बोल रहे हैं। आप किसी से या हर किसी से बात कर सकते हैं, और आपके वास्तविक जीवन की बुराई या कमियां जैसे, आपकी क्या हैसियत है ,और आप की योग्यता आदि कुछ भी हो, कोई फर्क नही पड़ता।

दुनियाभर में पहुंच

बहुत से देशों में जहां लड़के लड़कियां आपस में मिल कर बात नहीं कर सकते, उन स्थानों में लोग बातें करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं, इस तरह से किसी एक देश में बैठा युवा दूसरे देश में अपने लिए दोस्त या जीवनसाथी की तलाश करके बातें कर सकता है।

सुविधाजनक

यूं तो यदि आपको किसी से मिलना है तो आपको अच्छे से तैयार होने की जरूरत होती है,और फिर किसी अच्छी जगह की तलाश करनी होती है आदि। लेकिन आपको ऑनलाइन चैटिंग के लिए सिर्फ एक इंटरनेट पैक और अच्छे ब्राउजर के अलावा ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इसलिए लोग इन सब की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक-ऑनलाइन चैटिंग को वरीयता देते हैं।

बटन से कंट्रोल

हम ऑनलाइन कैसे दिखाई देते हैं इसका नियंत्रण हम सिर्फ एक बटन क्लिक कर के कर सकते हैं। सेल्फी कैमरे के साथ स्मार्टफोन और लाखों फिल्टर से हम अपनी एक नकली इमेज आसानी से बना सकते हैं। कई बार तो लोगों को अपनी यह इमेज अपनी असली इमेज से ज्यादा पसंद आने लगती है, और इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन गपशप और बातचीत में चिपके रहते हैं। हम क्या कहते हैं, और किससे कहते हैं, इसका नियंत्रण भी खुद कर सकते हैं। इसके साथ यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग की इच्छा को भी बढ़ाता है।

साथियों का दबाव

जब ऑनलाइन प्लेटफार्म की शुरुआत हुई तो इसके फायदे तभी पता चले होंगे जब किसी ने पहली बार इसका उपयोग किया होगा। पहले तो हमें इसपर बात करने की आदत नहीं पड़ी थी। फिर इसका चलन बढ़ने के साथ साथियों का दबाव भी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने के लिए महसूस किया जाने लगा, और ये भी एक बड़ा कारण था कि युवा एक दूसरे को ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते देख इसकी ओर आकर्षित होने लगे। अपनी उपलब्धियों और कहानियों को एक दूसरे से शेयर करने लगे। इस प्रकार एक यह ऐसा चक्र बन गया जो कभी कभी बहुत ज्यादा दोषपूर्ण बन जाता है। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अधिक उपयोग से हम बिना किसी अनुशासन और नियंत्रण के चैटिंग करते हैं। जिससे हम असभ्य और अविवेकी बन सकते हैं। कई बार तो लोग किसी बहकावे में आकर उनका शिकार भी बन जाते हैं। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग करते समय हमें अधिक सतर्कता और संयम की आवश्यकता है।

मशहूर ब्रांड नेम्स की कहानी...

जहां तक ब्रांड की बात है ब्रांड और कुछ नहीं होता है सिर्फ कंपनी की अपनी एक पहचान होती है। कुछ ब्रांड ऐसे भी हैं जो की कई कंपनियों के उत्पादों की पहचान बन गए हैं। क्या कभी आपने सोचा है की किसी भी ब्रांड का नाम आखिर कैसे बनाया जाता है और आज के मशहूर ब्रांड्स के नाम किस प्रकार से बनें हैं। नाईक एक मशहूर ब्रांड है। इसका नाम एक ग्रीक देवी के नाम पर पड़ा है जो की विजय की देवी मानी जाती हैं और इस ब्रांड का चिन्ह उनकी उड़ान का प्रतीक है। बात कोको कोला की करें तो पता चलता है कि असल में इस पेय पदार्थ की मुख्य सामग्री कोला बेरिज और कोको की पत्तियां है इसलिए ही इसको कोको कोला नाम दिया गया है। ऐसे ही पेप्सी नाम एक पाचक एंजाइम पेप्सिन से लिया गया है, हालांकि यह पेप्सी में नहीं होता है। एडिडास ब्रांड का नाम इसके मालिक और निर्माता अडोल्फ डैस्सलर के नाम पर रख गया है असल में अडोल्फ का उपनाम एडि था। अमेजन ब्रांड के मालिक सीईओ जैफ बेजोस अपनी इस कंपनी का नाम ए शब्द से शुरू होने वाला ही रखना चाहते थे और वो चाहते थे की उनकी कंपनी में दुनिया का हर सामान बिके इसलिए उन्होंने इसका नाम चुनने के लिए उन्होंने सबसे बड़ी नदी का नाम चुना। सोनी ब्रांड का नाम लैटिन शब्द 'सोनस' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है आवाज। वोडाफोन का मतलब आसान शब्दों में हैं वॉइस डाटा टेलीफोन है। नीविया ब्रांड नेम लैटिन शब्द 'निवेअस' से बना है जिसका अर्थ होता है बर्फ जैसा सफेद।

सेलिना जेटली ने मिस यूनिवर्स के सफर को किया याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने बहुत कम उम्र में मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप बनकर देश को गौरवान्वित किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिए इस अनुभव को याद किया। उन्होंने अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और एक लंबा नोट भी लिखा।

रनर-अप बनने के सफर को किया याद

भारत में उनके रनर-अप दर्जे को मीडिया ने किस तरह देखा, इसका खुलासा करते हुए सेलिना ने लिखा, रनर-अप मिस यूनिवर्स 2001 घर वापस आकर, स्वागत उस पल से बिल्कुल मेल नहीं खाता था। ज्यादातर सुर्खियां रही थीं दुर्भाग्य से... भारत मिस यूनिवर्स रनर-अप के रूप में आया। सिर्फ 56 की लंबाई के साथ, मैं एक किशोरी के रूप में दुनिया की 103 सबसे चमकदार महिलाओं के बीच मिस यूनिवर्स 2001 में भारत के लिए रनर-अप जीतते हुए खड़ी थी। एक ऐसा कारनामा जो भारत अगले 20 साल तक नहीं दोहराएगा।

लोगों ने निकाली खामियां

सेलिना ने आगे लिखा, फिर भी मुझे दयापूर्ण सलाह मिली- बहुत छोटी, बहुत ईमानदार, तुम्हारा मंगल खराब हो गया है, बेटा। यह बहुत ही मजेदार था। यह दिल तोड़ने वाला था। लेकिन इसने मुझे बनाया। इस चमक-दमक के पीछे धैर्य था... बिना वेतन वाली नौकरी, लगातार ऑडिशन और यह शांत विश्वास कि ब्रह्मांड मेरे साथ है। मैं 15 साल से एक कामकाजी मॉडल थी। उस यात्रा ने मुझे मिस इंडिया 2001 जीतने और वैश्विक मंच पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया।

एक अधिकारी ने कैसे की मदद

सेलिना ने आगे लिखा, मैं 11 सूटकेस, पूरे शरीर की वैक्स, फेशियल और दृढ़ निश्चय के साथ मुंबई से रवाना हुई, जिसका परीक्षण तुरंत हवाई अड्डे पर हुआ। मैंने खुद को पांच ट्रॉलियों को घूरते हुए पाया, जिन्हें मुझे अकेले टर्मिनलों में धकेलना था। मैं रो रही थी, जब तक कि एक दयालु अधिकारी एक देवदूत की तरह प्रकट नहीं हुआ और मेरी मदद की।

सफर पर आगे बढ़ते रहना

सेलिना ने आगे लिखा, मैं कई देशों के प्रतियोगियों के साथ न्यूयॉर्क से उड़ान पर सवार हुई। कई ने अपने साथियों के साथ बिजनेस क्लास में उड़ान भरी... संयमित, लाड़-प्यार से भरे और पूरी तरह से तैयार। इस बीच, सुश्री रूस और मैं पीछे बैठे थे, एक तंग शौचालय में कपड़े बदलने की कोशिश कर रहे थे, जो सैन जुआन की उड़ान के अधिकांश समय तक व्यस्त रहा। तभी मुझे एहसास हुआ... कि यह सब कितना बड़ा है मैं आगे बढ़ रही थी. दांव पर. दबाव. और शांत अहसास- मुझे उठना होगा और पल का सामना करना होगा।

'सितारे जमीन पर' से चमकेगा जेनेलिया का करियर खत्म होगी हिट की तलाश

आमिर खान की मच अवेटेड फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज हो गई है। फिल्म को क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया डिसूजा भी अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। एक ओर जहां ये फिल्म आमिर खान के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर जेनेलिया के करियर के लिए भी ये फिल्म एक अहम कड़ी साबित हो सकती है।

अगर जेनेलिया के करियर को देखें तो उनके खाते में कोई बड़ी हिट नहीं है। वहीं जेनेलिया के खाते में उतनी फिल्में भी नहीं हैं, जितना उनको इंडस्ट्री में वक्त हो चुका है। ऐसे में 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया को काफी उम्मीदें हैं। देखना ये है कि क्या 'सितारे जमीन पर' से जेनेलिया के करियर को रफ्तार मिलेगी या नहीं। जानते हैं जेनेलिया की पिछली फिल्मों का क्या रहा हाल।

ट्रायल पीरियड

2021 में आई जेनेलिया की फिल्म 'ट्रायल पीरियड' में मानव कौल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। ये कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। फिल्म मजेदार थी, लेकिन ये कब आई, कब चली गई किसी को पता भी नहीं चल। फिल्म में जेनेलिया ने एक सिंगल मदर का किरदार निभाया है, जो अपने बेटे की जिद पर 30 दिनों के लिए किराए पर पिता लेती है। पिता का किरदार मानल कौल ने निभाया है।

मिस्टर मम्मी

'मिस्टर मम्मी' भी 2022 में आई एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में भी जेनेलिया के साथ उनके पति रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हालांकि, फिल्म कब आई कब चली गई, किसी को पता नहीं चला। इस फिल्म का निर्देशन शाद अली ने किया है। फिल्म का सब्जेक्ट अच्छा था, लेकिन फिल्म की कमजोर कहानी इसकी नैय्या पार नहीं लगा पाई।

वेद

'वेद' एक मराठी फिल्म है। इसे हिंदी में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म में जेनेलिया के साथ रितेश देशमुख प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी रितेश देशमुख ने ही किया है। ये फिल्म मराठी में तो काफी हिट रही थी और ब्लॉकबस्टर मानी गई थी। हालांकि, हिंदी भाषा में फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

2022 में लंबे ब्रेक के बाद लौटी थीं जेनेलिया

2022 से पहले जेनेलिया एक लंबे ब्रेक पर थीं। इससे पहले 2014 में आई मराठी फिल्म 'लै भारी' में जेनेलिया एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म में भी प्रमुख भूमिका में रितेश देशमुख ही थे। इससे पहले इसी साल जेनेलिया सलमान खान की फिल्म 'जय हो' में भी एक छोटे से रोल में दिखाई दी थीं। इसके आठ साल बाद ही जेनेलिया 'वेद' और 'मिस्टर मम्मी' में नजर आई थीं।

वॉर 2 में एक्शन सीन को दमदार बनाने में लगा सबसे ज्यादा समय

फिल्ममेकर अयान मुखर्जी ने फिल्म वॉर 2 को डायरेक्ट करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने इसे रोमांचक सफर करार दिया। कहा कि वह इस फिल्म के जरिए अपनी नई सोच और नया अंदाज लाना चाहते हैं। अयान मुखर्जी ने कहा है, मेरे लिए वॉर 2 फिल्म को डायरेक्ट करना रोमांचक सफर था। ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज की फिल्म को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसमें अपनी छाप छोड़ना और भी जरूरी हो जाता है। मैंने वॉर 2 को डायरेक्ट करने का मौका एक मजेदार अनुभव की तरह देखा है, जिसमें मैं पहली फिल्म को सम्मान दे सकूं। इसमें कुछ नया और अलग अंदाज में कर सकूं।

फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने कहानी पर खास ध्यान दिया। वह फिल्म में दो बड़े स्टार, ऋतिक रोशन और एनटीआर, के बीच ऐसा जबरदस्त टकराव दिखाना चाहते हैं जिसे देख दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो जाएं। अयान मुखर्जी ने कहा, हमें पहले से बनी हुई फिल्म और उसके माहौल को ध्यान में रखते हुए काम करना होता है, और फिर ऐसा कुछ नया दिखाना होता है जो फैंस को पसंद आए। एक डायरेक्टर के तौर पर मैंने पूरी ईमानदारी से इस एहसास को फिल्म में लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वॉर 2 की हर चीज, कहानी, एक्शन, सीन आदि को बहुत ध्यान से तैयार किया है, ताकि दर्शकों को थियेटर में फिल्म देखने में मजा आए और एक खास अनुभव महसूस हो। अयान मुखर्जी ने कहा, फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच हुए एक्शन सीन को दमदार बनाने में सबसे ज्यादा समय लगा है। यह एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सिनेमा की ताकत को दिखाती है, फिल्म दर्शकों को ऐसा जोश देने वाली है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा, वॉर 2 सच में भारतीय सिनेमा की एक बड़ी मिसाल है, क्योंकि इसमें दो बहुत बड़े अभिनेता, ऋतिक और एनटीआर, साथ आ रहे हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। वॉर 2 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

उज्ज्वल निकम का रोल निभाएंगे राजकुमार राव

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों पर एक नई फिल्म की तैयारी हो रही है। जिसमें एक्टर राजकुमार राव लीड रोल करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में उज्ज्वल निकम की भूमिका अभिनेता राजकुमार राव निभा रहे हैं। निकम देश के सबसे चर्चित पब्लिक प्रोसिक्यूटर रहे हैं। उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल केस लड़े हैं। 26/11 केस में उनकी भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। हालांकि, यह फिल्म पूरी तरह से उज्ज्वल निकम की बायोपिक नहीं होगी। फिल्म में सिर्फ उस केस पर फोकस किया जाएगा, जिसमें निकम ने आतंकी अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ा था।

फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अविनाश

अरुण धावरे फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हुआ है। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण धावरे कर रहे हैं। अरुण धावरे ने प्राइम वीडियो की सीरीज पाताल लोक के दोनों सीजन, किला व थ्री ऑफ अस का निर्देशन किया है। पटकथा सुमित रॉय ने लिखी है। सुमित ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, जुबान और गहराइयां जैसी फिल्मों का स्क्रीनप्ले भी लिखा है।

बता दें कि पहले चर्चा थी कि इस रोल को आमिर खान निभाएंगे, लेकिन वो 'सितारे जमीन पर' प्रोजेक्ट में व्यस्त होने की वजह से फिल्म से हट गए। इसके बाद राजकुमार राव को यह रोल ऑफर किया गया। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि यह एक पारंपरिक बायोपिक नहीं होगी। फिल्म सिर्फ 26/11 केस से जुड़े कोर्ट रूम ड्रामा और कानूनी लड़ाई पर आधारित होगी। बता दें कि उज्ज्वल निकम ने इस केस में कसाब के खिलाफ सबूत पेश किए और कोर्ट से उसे सजा दिलवाई।

राजकुमार पहले भी निभा चुके हैं वकील का रोल

राजकुमार राव इससे पहले भी वकील की भूमिका निभा चुके हैं। फिल्म 'शाहिद' में उन्होंने वकील शाहिद आजमी का किरदार निभाया था। इस रोल के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। वहीं, राजकुमार जल्द ही फिल्म 'मालिक' में भी नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें वे गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं।

प्रिया ब्यूटी पार्लर से परिणय सूत्र तक बैक टू बैक फिल्में कर रहीं रानी

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी का करियर इन दिनों बुलंदी पर है। वे जिस तेजी से एक के बाद एक फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं और नई-नई फिल्में उनकी झोली में आ रही हैं, उन्हें अगर भोजपुरी सिनेमा की लेडी अक्षय कुमार कहा जाए तो, शायद गलत नहीं होगा। हाल ही में उनकी फिल्म प्रिया ब्यूटी पार्लर यूट्यूब पर रिलीज हो चुकी है। इसके अलावा वे कई अन्य फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं।

परिणय सूत्र

रानी चटर्जी ने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने मुहूर्त पूजा की तस्वीरें शेयर कर इस फिल्म में काम करने की जानकारी फैंस से साझा की। इसमें रानी के साथ राकेश बाबू लीड रोल में हैं।

अम्मा

इस फिल्म का बीते दिनों ही ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म एक सौतेली मां के संघर्ष पर आधारित है। फिल्म में, रानी चटर्जी एक ऐसी सौतेली मां का किरदार निभा रही हैं जो अपने पति के पहले विवाह से हुए बच्चों के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करती हैं। फिल्म में रानी चटर्जी, राकेश बाबू, श्वेता वर्मा, कंचन शशि, वंदना साहू और अयाज खान जैसे सितारे हैं।

घमंडी बहू

इसके अलावा रानी चटर्जी के पास में फिल्म घमंडी बहू भी है, जिसकी शूटिंग उन्होंने हाल ही में पूरी की। फिल्म के नाम से ही जाहिर है कि इसमें वे बहूरानी अवतार में नजर आएंगी। टाइटल काफी दिलचस्प है।

चुगलखोर बहुरिया

इस साल रानी की झोली में यह भोजपुरी फिल्म भी आई। इसमें रानी चटर्जी के साथ अवधेश मिश्रा, प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, ज्योति मिश्रा, अनिता रावत और जे नीलम जैसे कलाकार भी हैं। रानी ने इसी साल फरवरी में इस फिल्म की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

हम हैं जेठानी

पिक्चर अभी बाकी है! हम हैं जेठानी के बिना लिस्ट पूरी कैसे हो सकती है भला? इसके अलावा मायके के टिकट कटा दी पिया भी रानी चटर्जी की इस साल की फिल्मों में शामिल है।

अपने ही बच्चों को क्यों नहीं पसंद काजोल की फिल्में?

काजोल अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इन दिनों वह इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की। इसी बातचीत में बताया कि क्यों बच्चों को काजोल की फिल्में पसंद नहीं आती हैं।

सहम जाते हैं काजोल के बच्चे

फिल्मीज्ञान से की गई बातचीत में काजोल कहती हैं, 'मेरे बच्चों को मेरी फिल्में पसंद नहीं है। हां, वह मेरी एक्टिंग की तारीफ करते हैं। मगर जब बड़े पर्दे पर मुझे रोते हुए देखते हैं तो सहम जाते हैं। मैं कई बार कहती हूं कि ये एक्टिंग है, सच में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। बस इसी एक वजह से बच्चे मेरी फिल्में नहीं देखते हैं।'

बच्चों को जिंदगी से जुड़े सबक भी दिए

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में भी काजोल ने अपने बच्चों के बारे में बात की है। वह कहती हैं, 'मैंने अपनी मां तनुजा से कई सारी बातें, सबक सीखे हैं। कोशिश की है कि वहीं बातें अपने बच्चों को भी बताऊं। सबसे पहले मैंने उन्हें खुद के बारे में सोचना सिखाया है। इसके अलावा अपने फैसले खुद लेने की सीख दी है। सबसे बड़ी बात जो मैंने बच्चों को समझाई है कि वो जैसे भी हैं, बिल्कुल अच्छे हैं, उन्हें किसी के जैसा बनने की जरूरत नहीं है।'

वृंदावन में शुरू यीडा का पहला क्षेत्रीय कार्यालय

एसीईओ, भूअभिलेख व नियोजन विभाग के अफसर संभालेंगे कमान

मथुरा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने मथुरा जनपद के वृंदावन में अपना पहला क्षेत्रीय कार्यालय खोल दिया है। यह कार्यालय गीता संस्थान भवन में स्थापित किया गया है।

इस क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के तुरंत बाद मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने राया हेरीटेज सिटी परियोजना के लिए नियुक्त परामर्शदाता एजेंसी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी की। बैठक में परियोजना के विभिन्न आयामों और कार्यान्वयन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई।

उल्लेखनीय है कि यीडा मथुरा के अधिसूचित क्षेत्र में 751 एकड़ भूमि पर राया नगरीय केंद्र व हेरीटेज सिटी का विकास करेगा। इस परियोजना के अंतर्गत बांके बिहारी मंदिर तक सीधा संपर्क मार्ग, 12 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक पार्किंग व्यवस्था तथा सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को ध्यान में रखते हुए संरचनात्मक विकास किया जाएगा।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना पीपीपी मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत विकसित की जाएगी, जिसमें थर्ड पार्टी कंशेशनायर अपने व्यय पर निर्माण करेगा, जबकि यीडा भूमि अधिग्रहण की लागत वहन करेगा। कंशेशनायर द्वारा प्राधिकरण को हर वर्ष आय का एक निश्चित भाग भी प्रदान किया जाएगा।

नई शुरुआत के साथ यीडा ने वृंदावन कार्यालय में भूमि अभिलेख और नियोजन विभाग के अधिकारियों के अलावा एक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की भी तैनाती करने का निर्णय लिया है, जिससे परियोजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन में गति लाई जा सके। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कपिल सिंह, स्टाफ ऑफिसर नंदकिशोर सुंदरियाल सहित प्राधिकरण के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश व प्रदेश की सरकारें है तानाशाह : नरेश कुमार

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस कार्यालय, सेक्टर-52, नोएडा में संगठन सृजन अभियान के कोऑर्डिनेटर नरेश कुमार भाटी ने कांग्रेस नेताओं, ब्लॉक अध्यक्षों एवं फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने संगठन विस्तार में सभी की सक्रिय भूमिका और योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

नरेश कुमार भाटी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश व प्रदेश की वर्तमान सरकार में तानाशाही का माहौल है, जहां आम नागरिक की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। भाजपा नेता और अधिकारी मिलकर जनता का उत्पीड़न कर रहे हैं। आम लोग अपनी समस्याओं को लेकर तहसील और थानों के चक्कर लगाकर थक चुके हैं, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं होती। यह देश की पहली ऐसी सरकार है, जहां जनता की आवाज पूरी तरह दबाई जा रही है। भाजपा ने हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचला है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुकेश यादव ने कहा कि संगठन को मजबूत करना हर कांग्रेस कार्यकर्ता का प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। कार्यकर्ताओं का सम्मान हमारी पहली जिम्मेदारी है। हम सब मिलकर कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूती देंगे और जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे। सुभाष गांधी (कोऑर्डिनेटर) ने भाजपा को जनविरोधी करार देते हुए कहा, भाजपा सरकार ने कभी जनभावनाओं का सम्मान नहीं किया। इस मौके पर प्रदेश सचिव पुरूषोतम नागर, प्रवक्ता पवन शर्मा, लियाकत चौधरी, सतेंद्र शर्मा, चरण सिंह यादव, ललित नागर, राजकुमार भारती, कैप्टन पी एस रावत, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, रामकुमार शर्मा, राहुल पांडेय, डॉ सीमा, अशरफ, सुल्तान सिंह, सुमन रॉय, बच्चू यादव, ओमवीर उपाध्याय सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के सक्रिय सदस्य एवं ग्राम भटोना निवासी मामचंद शर्मा की धर्मपत्नी शशिबाला का बीते दिनों निधन हो गया। जनपद बुलंदशहर के गुलावठी शहर में आयोजित शोक सभा में ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने स्वर्गीय शशि बाला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सबसे कष्टदाई अपनों का असमय छोड़कर चले जाना होता है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस मौके पर गुलावठी अध्यक्ष त्रिलोक चंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जुलाई में भंगेल एलिवेटेड का शुभारंभ!

नोएडा (चेतना मंच)। जुलाई माह में भंगेल के निवासियों को जाम के झाम से निजात मिल सकती है। दादरी-सूरजपुर-छलेरा (डीएससी) रोड पर निर्माणाधीन भंगेल एलिवेटेड रोड का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। नोएडा प्राधिकरण के अनुसार, फिनिशिंग और इलेक्ट्रिक पोल लगाने का कार्य अंतिम चरण में है। संभावना जताई जा रही है कि जुलाई 2025 से यह एलिवेटेड रोड जनता के लिए खोल दी जाएगी।

हालांकि, इस परियोजना का उद्घाटन जून 2025 में प्रस्तावित था, लेकिन कार्य में देरी के चलते इसमें और समय लग सकता है। पहले से ही यह परियोजना करीब तीन साल की देरी से चल रही है। एलिवेटेड रोड के निर्माण पर कुल 608.81 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

यह एलिवेटेड रोड बरौला, भंगेल और सलारपुर जैसे क्षेत्रों में लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम को कम करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। यह मार्ग सेक्टर-41 (अगाहपुर पेट्रोल पंप) से शुरू होकर फेज-2 के गंदे नाले के पास तक फैला है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 4.5 किलोमीटर है।

डीजीएम (सिविल) विजय रावल ने बताया कि एलिवेटेड स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब हर कर्व (मोड़) पर सुरक्षा के लिए कवरिंग शीट भी लगाई जाएगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को न्यूनतम किया जा सके।

इस परियोजना के तहत सेक्टर-49-107 चौराहे पर चार लूप (दो चढ़ाई और दो उतराई) बनाए जाने प्रस्तावित हैं। सेक्टर-37 से सेवन एक्स की ओर जाने वालों के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। सेवन एक्स से सूरजपुर फेज-2 की ओर जाने वालों के लिए चढ़ाई लूप बनेगा। इसके साथ ही सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए भी लूप बनाए जाएंगे।

हालांकि, इन लूपों की स्वीकृति को सवा दो साल से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अब तक टेंडर जारी नहीं किया गया है। प्राधिकरण के अनुसार, पहले मुख्य एलिवेटेड स्ट्रक्चर को चालू किया जाएगा, उसके बाद लूप निर्माण पर कार्य शुरू किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कैंटीन कर्मियों की मौत

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-68 में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो कैंटीन कर्मियों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से सेक्टर-70 से दूध लेकर कैंटीन जा रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटनास्थल से सिर्फ क्षतिग्रस्त बाइक बरामद हुई है, जबकि हेलमेट मौके से नहीं मिले, जिससे अंदेशा है कि दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान विकास (21 वर्ष), निवासी मथुरा और प्रियांशु (20 वर्ष), निवासी कन्नौज के रूप में हुई है। इस संबंध में विकास के चचेरे भाई रंजीत कुमार की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि हादसे के जिम्मेदार वाहन और चालक का पता लगाया जा सके।

जुगल किशोर बने राष्ट्रीय संरक्षक व रवि दत्त जिला मंत्री

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय कार्यालय नोएडा सेक्टर-65 में राष्ट्रीय सनातन युवा दल का विस्तार किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सनातन युवा दल के अध्यक्ष आकाश मुखिया ने जुगल किशोर को राष्ट्रीय संरक्षक और रवि दत्त को जिला मंत्री गौतमबुद्धनगर बनाया है।

ओवरलोडिंग वाहनों पर एक्शन, 15 के काटे चालान

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के बाद ओवरलोडिंग वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा कड़ी कार्यवाही की जा रही है। विभाग ने कार्यवाही के दौरान 15 ओवर लोड वाहनों का चालान किया।

संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गौतमबुद्धनगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि पुलिस, परिवहन और खनन विभाग द्वारा ओवर लोडिंग पर कडी कार्यवाही करते हुये 15 ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चालान कर सेक्टर-126 और सेक्टर 142 में निरुद्ध किया गया तथा उनसे 7 लाख 80 हजार आरोपित किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा वित्तीय वर्ष में माह अप्रैल, मई और जून 2025 में अब तक 347 वाहनों से 2 करोड़ 28 लाख रु प्रशमन शुल्क वसूल किया गया है।

उन्होंने ओवरलोडिंग ट्रकों, मिनी ट्रकों के संचालकों एवं वाहन चालकों को बताया कि वाहन में क्षमता से अधिक माल लादने से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

आप ने गुजरात व पंजाब की जीत पर मनाया विजय उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। गुजरात और पंजाब विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में आम आदमी पार्टी गौतमबुद्धनगर द्वारा विजय उत्सव का आयोजन सेक्टर-27 स्थित जिला कार्यालय एवं सेक्टर-58 कार्यालय पर बड़े उत्साह के साथ किया गया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने की।

उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के दूरदर्शी, सच्चे और ईमानदार नेतृत्व को देते हुए कहा कि यह जीत सच्चाई, पारदर्शिता और जनसेवा की राजनीति की जीत है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत की है।

कार्यक्रम में संगठन मंत्री प्रशांत रावत,जिला सचिव विजय श्रीवास्तव,जिला कार्यकारिणी सदस्य सतीश गौतम,व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष इम्तियाज अहमद,नोएडा विधानसभा सचिव तरुण चौहान, सिकंदर ठाकुर शमशाद,मनोज गुप्ता,प्रिंस कुमार,मनोज ठाकुर, राजकुमार चौधरी,अनीता सिंह, नीतु कुमारी,अरविंद,शिव चौधरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।